Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 113 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 04 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



नागरिक आदर्शवान और अनुशासित होना चाहिये, हमारा देश निश्चित विकास करेगा।

Our country would Certainly develop it our citizens submit the mselves to idealism and discipline.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में किया विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण

■ भावी पीढ़ियों को विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करेगा विकसित भारत संकल्प पार्क



रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-16 में 'विकसित भारत संकल्प पार्क' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा साथ रहे। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने यहां पीपल का पौधा भी लगाया। इस दौरान वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी, वन मंत्री श्री केदार कश्यप व कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को अविस्मरणीय बनाने और भावी पीढ़ियों तक राष्ट्र निर्माण का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प पार्क का निर्माण किया गया है। यह पार्क आने वाली पीढ़ियों को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करेगा। नवा रायपुर को 'पीपल सिटी' के रूप में विकसित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। लगभग 16 एकड़ क्षेत्र में फैले विकसित भारत संकल्प पार्क में अब तक 2,500 से अधिक पीपल और 500 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के वृक्ष लगाए गए हैं।

'People for Peepal' अभियान से पर्यावरण संरक्षण में बढ़ेगी जनभागीदारी

नवा रायपुर को हरित और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने के लिए 'People for Peepal' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य केवल पौधरोपण तक सीमित न रहकर नागरिकों को पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल से जोड़ना भी है। इसी क्रम में विकसित भारत संकल्प पार्क को पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। यह पहल आधुनिक शहरी अधोसंरचना के साथ हरियाली के विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को प्रोत्साहित करेगी। इस अभियान के माध्यम से पीपल के प्रति लोगों की सांस्कृतिक आस्था को पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया आत्मीय स्वागत



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद अंतरराष्ट्रीय विमानतल, रायपुर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ आगमन पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माता कौशल्या की पावन भूमि एवं प्रभु श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ के प्रति केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह का आत्मीय स्नेह प्रदेशवासियों के लिए शक्ति और विश्वास का संबल है। प्रदेश की शांति, सुरक्षा और विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं सतत सहयोग विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई शक्ति प्रदान करता है।

सीआईएसएफ की नई कमान व्यवस्था में भिलाई बना स्टील सेक्टर का राष्ट्रीय मुख्यालय

■ क्षेत्रीय कमान के स्थान पर विशेषीकृत कार्यात्मक व्यवस्था लागू; देशभर के इस्पात प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की निगरानी करेगा भिलाई



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के भिलाई को देश की औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपने संगठनात्मक ढांचे में बदलाव करते हुए भिलाई को स्टील सेक्टर का राष्ट्रीय मुख्यालय बनाया है। यहां से देशभर के इस्पात प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था का पर्यवेक्षण किया जाएगा।

सीआईएसएफ ने 1 नवंबर 2026 से पुरानी क्षेत्रीय कमान व्यवस्था के स्थान पर विशेषीकृत कार्यात्मक कमान प्रणाली लागू की है। गृह मंत्रालय की सहमति से किए गए इस पुनर्गठन में प्रतिष्ठानों की भौगोलिक स्थिति के बजाय उनकी प्रकृति और कार्यक्षेत्र के आधार पर कमान निर्धारित की गई है। इसके तहत पावर-I (नई दिल्ली), पावर-II (कोलकाता), कोयला (रांची), स्टील (भिलाई), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस (गुवाहाटी), पश्चिमी तट बंदरगाह (मुंबई), पूर्वी तट बंदरगाह (चेन्नई) तथा जीबीएमएम एवं एमआरटीएस (नई दिल्ली) सेक्टर गठित किए गए हैं। ये पहले से कार्यरत विमानन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग के सेक्टरों के साथ एकीकृत कमान व्यवस्था में काम करेंगे।

पूर्ववर्ती व्यवस्था में एक क्षेत्रीय मुख्यालय के अधीन कोयला खदानों, विद्युत संयंत्रों और बंदरगाहों सहित 50 से अधिक विभिन्न प्रकार के प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की निगरानी होती थी। नई व्यवस्था में प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र के लिए समर्पित नेतृत्व और विशेषज्ञता उपलब्ध होगी। इससे सुरक्षा आवश्यकताओं की बेहतर समझ, औद्योगिक प्रबंधन के साथ समन्वय और निर्णय प्रक्रिया में तेजी आएगी। बदलती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए नई व्यवस्था में भौतिक सुरक्षा के साथ साइबर सुरक्षा, ड्रोन-रोधी तकनीक, औद्योगिक नियंत्रण प्रणालियों की सुरक्षा और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता पर भी ध्यान दिया जाएगा।

चित्रकोट की कुडूक मछुआ समिति को मिला राज्य अलंकरण



■ सहकारिता के दम पर बस्तर ने रचा इतिहास, ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार 2026 से सम्मानित

जगदलपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के 26 वें राज्य स्थापना दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर बस्तर जिले ने सहकारिता के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सहकारिता के मूल सिद्धांतों को निष्ठापूर्वक अपनाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यटन को नई दिशा देने वाली लोहण्डीगुड़ा विकासखंड की प्राथमिक कुडूक मछुआ सहकारी समिति मर्यादित चित्रकोट को राज्य शासन द्वारा प्रतिष्ठित ठाकुर प्यारेलाल सिंह राज्य अलंकरण 2026 से विभूषित किया गया। राज्योत्सव के अवसर पर मुख्य अतिथि देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से यह गरिमामय सम्मान धनसिंह बघेल ने ग्रहण किया।

विगत करीब 17 वर्ष पहले 23 मार्च 2009 को पंजीकृत यह समिति आज बस्तर के 62 मछुआ परिवारों के लिए एक मजबूत जीवनरेखा बन चुकी है। विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात पर पर्यटन और मत्स्याखेट को अपनी मुख्य गतिविधि बनाते हुए समिति ने आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। शासन या बाहरी वित्तीय सहायता पर निर्भर रहने के बजाय समिति ने अपनी स्वयं की अर्जित आय से न केवल 7 कार्यशील नौकाओं की खरीद की, बल्कि अपने कार्यालय भवन का निर्माण भी सफलतापूर्वक पूरा कराया।

पर्यटन सेवा के क्षेत्र में समिति ने सुरक्षा और किफायती दर का एक बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किया है। चित्रकोट जलप्रपात में पर्यटकों को मात्र 50 रुपए प्रति व्यक्ति की दर से सुरक्षित नौका विहार कराया जा रहा है, जिसकी बदौलत पर्यटकों का विश्वास तेजी से बढ़ा है।

'आप जगह चुनिए मैं आ जाऊंगा', राहुल गांधी का पीएम मोदी को ओपन चैलेंज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा है कि 24 घंटे हो गए हैं और उन्होंने मोदी जी को चैलेंज दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए और मेरे साथ डिबेट कीजिए। उन्होंने कहा कि देशद्रोही कौन है, विदेशी फोर्सेज का कनेक्शन किसका है और किस प्रकार का कनेक्शन है, इस पर जल्दी से जल्दी चर्चा होनी चाहिए। राहुल ने कहा कि दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठोगे, एक साइड मैं बैठूंगा।



पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को झटका

■ चुनाव अर्जी पर जारी रहेगी सुनवाई



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल की एक नई अर्जी खारिज कर दी। इसमें उन्होंने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कोर्ट ने 2023 में पाटन विधानसभा क्षेत्र से उनकी जीत के खिलाफदायर याचिका की 'स्वीकार्यता' पर कोई प्रारंभिक मुद्दा तय करने से इन्कार कर दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले का ट्रायल अब आगे बढ़ेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई में देरी के प्रयासों पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि चुनाव विवादों का निपटारा एक निश्चित समय सीमा के भीतर होना चाहिए। पूर्व सीएम की ओर से पेश वरिष्ठ वकीलों कपिल सिब्बल और विवेक तन्खा ने तर्क दिया कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने यह मानने में भूल की है कि कोई प्रारंभिक मुद्दा नहीं बनता है, क्योंकि चुनाव याचिका कथित तौर पर 45 दिन की निर्धारित सीमा अवधि के बाद दायर की गई थी। हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि सीमा अवधि का यह मामला तथ्य और कानून का मिला-जुला सवाल है, जिसे साक्ष्यों के आधार पर ही परखा जाना चाहिए।

अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी का बड़ा एक्शन

■ 510 करोड़ की संपत्ति अटैच, दो चार्टर्ड विमान और विंडमिल भी जब्त



नई दिल्ली। अनिल अंबानी की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की 510.17 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच कर ली हैं। इन संपत्तियों में दो चार्टर्ड विमान, कई जमीन, ऑफिस परिसर, बैंक में जमा रकम, फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश शामिल हैं। ईडी की यह कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में की गई है। एजेंसी के मुताबिक, दोनों मामलों में अलग-अलग संपत्तियों को अटैच किया गया है।

ईडी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कुल 510.17 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस से जुड़े मामले का है। इस मामले में 263.05 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की गई हैं। वहीं, रिलायंस कम्युनिकेशन के बैंक धोखाधड़ी मामले में 247.12 करोड़ रुपये की संपत्तियों पर कार्रवाई हुई है। इस तरह दोनों मामलों को मिलाकर ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप की 510.17 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है। रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने जिन संपत्तियों को अटैच किया है, उनमें दो चार्टर्ड विमान भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में महाराष्ट्र में मौजूद छह जमीन के टुकड़ों और एक ऑफिस परिसर को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। इन सभी संपत्तियों की कीमत 247.12 करोड़ रुपये बताई गई है।

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते : सुप्रीम कोर्ट

■ प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार, रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं। सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा।

विवादित विडियो पोस्ट करने पर अमित जोगी के खिलाफ एफआईआर

■ मोदी और सीईसी की सांकेतिक-शादी और हनीमून दिखाया



रायपुर (विश्व परिवार)। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने पीएम मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया था। जिसमें दोनों की सांकेतिक शादी और हनीमून को दिखाया था। अब इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विरोध जताया है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रायपुर के सिविल लाइंस थाने पहुंचकर अमित जोगी के खिलाफ शिकायत करते हुए स्नढ्ढक्र दर्ज कराई है।

दरअसल, अमित जोगी ने कथित वोट चोरी के मुद्दे पर पीएम मोदी और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। वीडियो में दोनों के मुखौटे पहने किरदारों को दिखाया गया था। इसके बाद 'ज्ञानू-जानू की शादी' के नाम से सांकेतिक शादी और हनीमून का दृश्य दिखाया गया। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसकी आलोचना शुरू हो गई। वीडियो को लेकर विवाद बढ़ने के बाद अमित जोगी ने इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट से हटा दिया। उन्होंने पोस्ट के जरिए माना कि अपनी बात रखने का तरीका सही नहीं था। जोगी ने लिखा कि वे जिस संदेश को देना चाहते थे, उसे दूसरे तरीके से भी रखा जा सकता था। उन्होंने कहा कि खुद का मजाक उड़ाकर अपनी बात कहना अलग है, लेकिन किसी निजी रिश्ते या स्पेस को व्यंग्य का हिस्सा बनाना ऐसी सीमा है, जिसे वे पार नहीं करना चाहते। इसी वजह से पोस्ट हटा दी गई। जिन लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, उनसे उन्होंने माफी भी मांगी।





दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, बुधवार 04 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

राज्योत्सव में दिखी छत्तीसगढ़ की संस्कृति, विकास और उपलब्धियों की झलक



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर सूरजपुर के अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्यगीत का गायन भी किया गया। इस वर्ष राज्योत्सव ÷सशक्त नारी, युवा उड़ान÷ की थीम पर मनाया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जिलेवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस छत्तीसगढ़ महतारी की अस्मिता, समृद्ध संस्कृति और स्वाभिमान का पर्व है। प्रदेश अपनी स्थापना के 26 वर्ष पूरे कर 27वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रयासों से छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य का गौरव मिला। मंत्री ने राज्य निर्माण में योगदान देने वाले पुरखों को नमन करते हुए कहा कि गठन के समय अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन आज प्रदेश विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

उन्होंने कहा कि लोककला, लोकसंस्कृति और जनजातीय परंपराओं से विशिष्ट पहचान रखने वाला छत्तीसगढ़ विकास और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ की भावना के अनुरूप जनकल्याण और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ दूरस्थ अंचलों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। आदिवासी एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरणों के माध्यम से जनजातीय और वंचित वर्गों के उत्थान के प्रयास भी किए जा रहे हैं।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सूरजपुर जिले में जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने सभी से जिले को समृद्ध और विकसित बनाने के संकल्प के साथ सामूहिक सहभागिता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सूरजपुर के विकास से विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प और मजबूत होगा।

प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने भी राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्योत्सव की ÷सशक्त नारी, युवा उड़ान÷ थीम महिला सशक्तिकरण और युवाओं की प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित सूरजपुर के निर्माण में सभी से सक्रिय सहभागिता की अपील की। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने राज्य और जिले के गठन के बाद हुए विकास, उपलब्धियों तथा नवाचारों की जानकारी साझा की।उत्कृष्ट कार्य करने वालों और प्रतियोगिता विजेताओं का सम्मानसमारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पाक कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बबली को 3,100 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली श्रीमती रानी गुप्ता को 2,100 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली श्रीमती कमला गुप्ता को 1,100 रुपये की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।विभागीय प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला पंचायत को प्रथम, स्वास्थ्य विभाग को द्वितीय तथा शिक्षा एवं राजस्व विभाग को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला। अतिथियों ने विजेता विभागों को सम्मानित किया। विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ भी प्रदान किया गया। कुर्सी दौड़, रस्साकशी सहित खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। छात्राओं और अन्य प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया।

पारंपरिक व्यंजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

पाक कला प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की महक छाई रही। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और अन्य जनप्रतिनिधियों ने

मुख्यमंत्री ने भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ की हरित ऊर्जा एवं निवेश संभावनाओं पर केंद्रित पुस्तक का किया विमोचन



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रदर्शनी स्टॉल पर राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति, निवेश संभावनाओं और हरित ऊर्जा विकास पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन किया।पुस्तक में छत्तीसगढ़ की रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के अवसरों, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की योजनाओं तथा राज्य में स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा विकास की संभावनाओं को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और नवाचार के नए अवसरों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।यह पुस्तक निवेशकों और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को छत्तीसगढ़ की नीतियों, उपलब्ध संसाधनों तथा भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।इस अवसर पर क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ महतारी के गौरव को नमन करने का पर्व है राज्योत्सव



मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी (विश्व परिवार)। जिले के मोहला स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित भव्य राज्योत्सव समारोह 2026 में शामिल होकर छत्तीसगढ़ महतारी को नमन की, कृतज्ञता प्रकट की।इस अवसर पर जिले में कला, शिक्षा, समाजसेवा, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले नागरिकों को सम्मानित कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह जी, जिला कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम जी, जिला पुलिस अधीक्षक श्री जेपी सिंह जी, जिला पंचायत सदस्य शांति त्रिपुरे जी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती गैंदकुंवर ठाकुर जी सहित सम्माननीय जनप्रतिनिधिगण, नेतागण, जिले के वरिष्ठजन एवं देवतुल्य जिलेवासी उपस्थित रहें। छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस पर आइए हम सब अपने छत्तीसगढ़ महतारी को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए अपना सर्वोच्च

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विवि के सप्तम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल डॉ. रमेन डेका



रायपुर (विश्व परिवार)। आज पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर में माननीय राज्यपाल डॉ. रमेन डेका जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित सप्तम दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों को माननीय राज्यपाल जी का मार्गदर्शन मिला। हरियाणा उच्च शिक्षा परिषद अध्यक्ष दीक्षांत वक्ता प्रो कैलाश चंद्र शर्मा जी, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद अध्यक्ष प्रो नागेश्वर राव जी ने भी शिक्षा पर प्रेरक वक्तव्य दिया।दीक्षांत विद्यार्थियों के जीवन में एक नई शुरुआत का अवसर है। शिक्षा से प्राप्त ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास के साथ युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र के विकास में करें। इस अवसर पर मा. विधायक श्री धरमलाल कौशिक जी, मा. विधायक श्री सुशांत शुक्ला जी, कुलपति प्रो. वीके सारस्वत जी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी जी, जनप्रतिनिधि, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स की कोटा शाखा का शुभारंभ



रायपुर (विश्व परिवार)। विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड की मारुति सुजुकी एरीना सेल्स एवं सर्विस की नई कोटा शाखा का शुभारंभ सोमवार, 2 नवंबर 2026 को धूमधाम से किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे जी एवं रायपुर पश्चिम के विधायक श्री राजेश मूणत जी शामिल हुए।कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। उनकी उपस्थिति में नई शाखा की शुरुआत हुई। इस अवसर पर विश?वभारती ऑटोमोबाइल्स के पदाधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कोटा रोड स्थित इस नई शाखा में ग्राहकों को मारुति सुजुकी की नई कारों की बिक्री के साथ-साथ सर्विस की सुविधाएं भी मिलेंगी। इस शाखा के शुरू होने से कोटा और आसपास के क्षेत्र के लोगों को कार खरीदने और सर्विस कराने में आसानी होगी।विश?वभारती ऑटोमोबाइल्स के डाइरेक्टर श्री यशवंत अग्रवाल, श्री अभिषेक अग्रवाल एवं श्री आयुष अग्रवाल ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। विश?वभारती ऑटोमोबाइल्स अपने ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं और अच्छी सेवाएं देने के उद्देश्य से लगातार आगे बढ़

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26वें वर्ष पर गूंजा नवाचार का संदेश



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26वें गौरवशाली वर्ष के पावन अवसर पर सोमवार, 2 नवंबर को जगदलपुर का ऐतिहासिक सिटी ग्राउंड अपार जन-उत्साह, उल्लास और गरिमा का साक्षी बना। इस खास मौके पर शिक्षा विभाग द्वारा एक विशेष विज्ञान एवं नवाचार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने दैनिक जीवन, जल संरक्षण और खेती-किसानी से जुड़े कई प्रेरणादायी व उपयोगी मॉडल प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में जल संरक्षण पर आधारित एक आधुनिक मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे ग्रामीण क्षेत्रों में नलों से व्यर्थ बहते पानी की समस्या को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था। मॉडल प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों ने बताया कि गांवों में अक्सर नलों में टोंटी (टैप) न होने के कारण पानी बेवजह बर्बाद होता रहता है। इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए बाल वैज्ञानिक सूरज कश्यप और अनिरुद्ध मौर्य ने अपने मार्गदर्शक शिक्षक विजय सिन्हा के दिशा-निर्देशन में वाटर सेंसर तकनीक का उपयोग कर एक स्वचालित प्रणाली विकसित की। इस नवाचार की विशेषता यह है कि नल के नीचे जब तक कोई बर्तन, गिलास या गुंडी रखी जाएगी, पानी केवल तभी गिरेगा। जैसे ही बर्तन को नल के नीचे से हटाया जाएगा, पानी का बहाव अपने आप बंद हो जाएगा।

कार्यालय, नगर पंचायत उतई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
फोन नंबर 0788-2673701 E-mail-cmoutai@rediffmail.com
क्रमांक/216/लो.नि.शा./ निविदा/न.पं./2026 उतई दिनांक 03/11/2026

।। मैनुअल पद्धति से प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत उतई क्षेत्रांतर्गत 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत राशि 23.63 लाख रु., कुल 05 पृथक-पृथक कार्य हेतु दिनाँक 24/11/2026 को कार्यालयीन अवधि समय 3.00 बजे तक पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पद्धति पर सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	-	24/11/26 को दोप. 03:00 बजे तक
2	निविदा खोलने की अंतिम तिथि	-	24/11/26 को शाम 04:00 बजे

टीप:- निविदा से संबंधित अन्य नियम एवं शर्तें कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईड www.uad.cg.gov.in पर देखी / प्राप्त की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग के वेबसाईड एवं कार्यालय सूचना पटल पर प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं होगा। प्रतिभागी टेण्डर फार्म विभाग के वेबसाईट में जाकर डाऊनलोड कर सकते है। संबधित ष्टत्र क्राश्च (2020) यथा संशोधन सहित ।
"अपने घर, आसपास एवं नगर को स्वच्छ रखे, शौचालय का उपयोग करें" "जल ही जीवन है"

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत उतई

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36713/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36713
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J0300J** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHIMANI PINTU PATEL , DHARMISTA BEN PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMARSHI PATEL, BHIMANI PINTU PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PANKAJ CHEEJWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDR KUMAR CHEEJWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36735/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36735
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J0117A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUMAN SUNDRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR SUNDRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEEPA SACHDEVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. GOPICHAND SACHDEVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./36692/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36692
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651N00241** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAYANK JADHAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MAHENDRA JADHAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJESH SIRODARIYA HUF DWARA KARTA - RAJESH SIRODARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE. JAYANTI LAL SIRODARIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
सुश्री रूचि शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36718/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36718
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331E00018** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **L. MALLIKA REDDY** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O L. R. REDDY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NANCY PETER DHANSON** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O ROHIT KASHIV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36752/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36752
वार्ड का नाम-48- गुरू घासीदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443B00237** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARDAR VIRENDRA SINGH SALUJA , CHARANJEET KAUR** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MANGAL SINGH SALUJA , SARDAR VIRENDRA SINGH SALUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. KAMALJEET SINGH KHANUJA 2. TAVINDER KAUR KHANUJA** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. S/O LATE. PRITAM SINGH KHANUJA 2. W/O KAMALJEET SINGH KHANUJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36753/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36753
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331D00153** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANISHA PARASHAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O VINEET PARASHAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANDEEP KAUR CHAWALA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O BALJEET SINGH CHAWLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा कबीर नगर कॉलोनी में निर्मित **एच.आई.जी.** भवन योजना के अंतर्गत दुकानों/भूखण्डों/भवनों में से भवन **क्रमांक HIG-02, श्री विजय कुमार गुप्ता पिता श्री स्व. हनुमान प्रसाद गुप्ता** के नाम से भवन योजना के अंतर्गत भाड़ाक्रय/पूर्ण मूल्य आधार पर आवंटित किया गया था। आवंटी द्वारा **दिनांक 08/02/2006** को उक्त भवन का विक्रय विलेख निष्पादित करा लिया गया है।

अब आबंटी उक्त भवन के दान हेतु **दिनांक 26/09/2026** को निष्पादित दान इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री/श्रीमती **विनेश गुप्ता पिता स्व. हनुमान प्रसाद गुप्ता के** नाम से दान करने के लिए अनुमति की मांग की हैं।

अत: यदि किसी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष को उक्त भूखण्ड/भवन के दान के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो, तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर अपने प्रमाणित दस्तावेजों सहित इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में यह माना जाएगा कि उक्त दान के संबंध में किसी को कोई आपत्ति नहीं है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34017/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 04-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34017
वार्ड का नाम-9- पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226R00241** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAM AVTAR SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE.ATIBAL SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **संदीप कुमार सिंह** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्वर्गीय राम अवतार सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **रजिस्ट्री पेपर, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /36749/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36749
वार्ड का नाम-19- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 19 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802N0441A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANJU KHANDEWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NITIN KHANDEWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMIT SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI RAJKUMAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./36729/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36729
वार्ड का नाम- 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108D0462A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT DHARSANDIYA ,PRAFULLA DHARSANDIYA** पिता/पति, श्री/

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, बुधवार 04 नवंबर 2026

महिला पुलिस थाना का मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया लोकार्पण

एसआई पुष्पा तिर्की बनीं जिले की पहली महिला थाना प्रभारी



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उन्हें त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में सूरजपुर जिले को एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है। सोमवार, 02 नवम्बर 2026 को जिले में नवीन महिला थाना का विधिवत शुभारंभ किया गया। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कोतवाली थाना परिसर में स्थापित महिला थाना का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर एसआई पुष्पा तिर्की को जिले के प्रथम महिला थाना प्रभारी के रूप में पदभार ग्रहण कराया गया।

महिला थाना खुलने से जिले की महिलाओं को अपनी शिकायतें दर्ज कराना अब आसान होगा। महिला संबंधी अपराधों एवं शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई, जांच और विवेचना सुनिश्चित करने में यह थाना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नवीन महिला थाने में थाना प्रभारी सहित आवश्यक पुलिस बल की पदस्थापना भी की गई है। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणी पैंकरा, श्री भीमसेन अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री मुरली मनोहर सोनी, रेडक्रास सोसायटी के चेयरमेन श्री बाबुलाल अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल राजवाड़े, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती नूतन विश्वास, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाला महत्वपूर्ण कदम- मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े।

शुभारंभ अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने महिला थाना की स्थापना को महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि महिला थाना महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम में सहायक होगा। साथ ही पीड़ित महिलाओं को अपनी समस्याएं और शिकायतें सहजता से रखने का अवसर मिलेगा तथा उनकी शिकायतों के त्वरित निराकरण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

मंत्री ने रोजनामचा में दर्ज किया शुभकामना संदेश

महिला थाना का लोकार्पण करने के पश्चात मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने थाने के रोजनामचा में शुभकामना संदेश दर्ज किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि नवीन महिला थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महिलाओं, बच्चों एवं पीड़ितों को न्याय दिलाने तथा अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महिलाओं की शिकायतों को संवेदनशीलता से सुनेगी पुलिस- पुलिस अधीक्षक

एसपी सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने कहा कि सूरजपुर पुलिस महिलाओं की सुरक्षा एवं उनसे जुड़ी शिकायतों के प्रति बेहद संवेदनशील है। महिला थाना प्रारंभ होने से अब महिलाएं सीधे महिला थाने में पहुंचकर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगी। यहां महिला थाना प्रभारी एवं महिला पुलिस स्टाफ उनकी समस्याओं को सहजता और संवेदनशीलता के साथ सुनेंगे तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि महिला थाना महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में एक प्रभावी माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री योगेश देवांगन सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

राज्योत्सव की सांस्कृतिक संध्या में बिखरे सुर-संगीत के रंग, मनमोहक प्रस्तुतियों पर झूमे दर्शक

आमंत्रित कलाकारों की प्रस्तुतियों ने बांधा शमा



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- नवम्बर 2026/ राज्योत्सव कार्यक्रम दिवस पर संध्या कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में बीजीएम म्यूजिकल ग्रुप एवं उनकी टीम ने अपने गीतों से लोगों को झुमाया। टीम ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। जिसे सुनकर दर्शक झूम उठे। इसके बाद एक के बाद एक प्रस्तुत गीतों ने शमा बांध दिया। मधुर आवाज़, लोकधुनों की लय और कलाकारों के उत्साहपूर्ण ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह और आत्मीयता से उनके गीतों पर तालियां बजाकर कलाकारों का अभिनंदन किया। सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ की परंपरा, लोककला और संगीत की झलक देखने को मिली। तत्पश्चात अलंकार बैंड की के सुरों की लय और भावनाओं की गहराई ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। उपस्थित दर्शक भावविभोर होकर गीतों के सुरों में डूब गए। संगीत के सुरों के साथ ही दर्शक झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में राज्योत्सव में अपने प्रदर्शन और कला से लोगों का मन मोह लेने वाले आमंत्रित कलाकारों को जिला प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

रामनगर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा में श्रद्धालुओं का उमड़ रही है भीड़

कथावाचिका प्राची देवी के श्रीमुख से रामकथा का हो रहा रसपान



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर जिले के रामनगर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव में इन दिनों भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय कथावाचिका पूज्य प्राची देवी ने श्रीरामचरितमानस के अरण्य कांड एवं किष्किंधा कांड के प्रसंगों का संगीतमय एवं भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया।

कथा के दौरान भगवान श्रीराम के वनवास, माता सीता के हरण, प्रभु श्रीराम की भक्ति, हनुमान जी से मिलन और सुग्रीव से मित्रता जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथावाचिका ने इन प्रसंगों के माध्यम से धर्म, मर्यादा, मित्रता, सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। भजनों और संगीतमय प्रस्तुतियों के बीच श्रद्धालु भावविभोर नजर आए।

श्रीराम कथा महोत्सव में प्रतिदिन कई हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। रामनगर सहित रामपुर, सरस्वतीपुर, रुनियाडीह साहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बुजुर्ग कथा श्रवण के लिए शामिल हो रहे हैं। कथा स्थल पर प्रतिदिन श्रद्धालुओं की बढ़ती उपस्थिति आयोजन की भव्यता और लोगों की धार्मिक आस्था को दर्शा रही है।

इस महोत्सव की विशेष व्यवस्था के तहत राधा-कृष्ण सेवा समिति द्वारा प्रतिदिन रात्रि में भव्य भंडारा एवं प्रसाद वितरण कराया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। समिति के सदस्यों एवं सहयोगियों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भोजन और प्रसाद की व्यवस्था की जा रही है। कथा श्रवण के साथ भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता आयोजन को सेवा और समर्पण का स्वरूप प्रदान कर रही है। उल्लेखनीय है कि राधा-कृष्ण सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम कथा महोत्सव का शुभारंभ 26 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था। रामनगर मिनी स्टेडियम से निकली कलश यात्रा रुनियाडीह स्थित रेड नदी एवं नर्मदेश्वर शिव मंदिर तक पहुंची थी, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई थी।27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। नौ दिवसीय इस धार्मिक आयोजन का समापन 4 नवंबर को होगा।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का विकासखंड स्तरीय आंकलन शिविर विश्रामपुर में संपन्न

55 बच्चों को मिलेंगे 109 सहायक उपकरण



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा सूरजपुर के तत्वावधान में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय (सेजेस) विश्रामपुर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय आंकलन एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की शारीरिक व मानसिक स्थिति का परीक्षण कर उन्हें समाज व शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। शिविर के दौरान सूरजपुर विकासखंड के कुल 146 बच्चों का विधिवत पंजीयन किया गया। चिकित्सकों द्वारा किए गए गहन परीक्षण के बाद 55 बच्चों को पात्र पाया गया, जिन्हें भविष्य में दैनिक जीवन एवं अध्ययन को सुगम बनाने हेतु 109 प्रकार के विभिन्न सहायक उपकरण व सामग्री प्रदान की जाएगी।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने उपस्थित होकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच की। इसमें अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक गुप्ता, श्रवण रोग विशेषज्ञ डॉ. सूरज पाल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक गुप्ता तथा मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक गुप्ता ने बच्चों की शारीरिक दिव्यांगता, श्रवण क्षमता, दृष्टि दोष और मानसिक स्वास्थ्य का बारीकी से परीक्षण कर आवश्यक परामर्श व उपचार दर्ज किया। इस अवसर पर विकासखंड स्रोत समन्वयक मनोज कुमार मंडल ने बच्चों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे समाज के अभिन्न अंग हैं और उनमें असीम प्रतिभा छिपी होती है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा इन बच्चों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की है, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। श्री मंडल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की कमियों पर ध्यान न देकर उनके हौसले को बढ़ाएं और शासन द्वारा प्रदत्त सहायक उपकरणों व योजनाओं का पूरा लाभ उठाकर इन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में सहभागी बनें। इस अवसर पर संकुल समन्वयक गौरी शंकर पाण्डेय, विजय यादव, पंकज सिंह, श्रीमती राधा नन्दी, योगेश कुमार चन्द्राकर, अभिषेक दुबे, आजाद मो0 अंसारी, अजय गोस्वामी, सुनिल चौधरी, कु.इन्दु राठौर, योगेश कुमार कश्यप, कु. समृद्धि चन्द्राकर, दुबे राम पैंकरा, श्रीराम यादव, श्रीमती मंजु दुबे और उपस्थित थे तथा दूर-दराज से आए बच्चों एवं उनके अभिभावकों को सुचारू रूप से चिकित्सीय परामर्श और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में सभी की सहभागिता सराहनीय रही।

वेदांता लिमिटेड पर ब्रोकरेज में तेजी, दूसरी तिमाही में EBIDTA दोगुना हुआ; 50 फीसदी तक की तेजी की उम्मीद

वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में वेदांता लिमिटेड (बीएसईः 500295, एनएसईः वीईडीएल) के शानदार प्रदर्शन के बाद, प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी को लेकर अपना सकारात्मक नजरिया बरकरार रखा है। उन्होंने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (बीएसईः 500188, एनएसईः एचआईएनडीज़ैआईएनसी) के बेहतरीन मुनाफे, बेहतर होती परिचालन दक्षता (ऑपरेटिंग एफिशिएंसी), मजबूत होती बैलेंस शीट और क्षमता विस्तार की बड़ी पाइपलाइन का जिक्र किया है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज, एमके ग्लोबल और सीएलएसए ने कंपनी के लिए सकारात्मक निवेश सलाह दी है, जिसमें प्रति शेयर रु290 से रु350 तक का लक्षित मूल्य तय किया गया है। रु233 के मौजूदा बाजार भाव के हिसाब से, ये लक्ष्य लगभग 24 फीसदी से 50 फीसदी तक की तेजी का संकेत देते हैं। वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में रु9,938 करोड़ का समेकित EBIDTA दर्ज किया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है और पिछली तिमाही के मुकाबले 17 फीसदी अधिक है। हिंदुस्तान जिंक और जिंक इंटरनेशनल (दक्षिण अफ्रीका) के शानदार परफोर्मेन्स तथा कॉपर और फेरोक्रोम कारोबार के बेहतर योगदान के चलते कंपनी का प्रदर्शन बाजार की उम्मीदों से बेहतर रहा।

मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. राहुल अग्रवाल को मिलेगा अग्रवाल समाज का ग्लोबल आईकॉन अवार्ड

दिल्ली में अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय मंच पर होंगे सम्मानित

गोपाल सिंह विद्रोही



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सामाजिक सेवा, मानव कल्याण और जनहित के कार्यों के प्रति समर्पण जब किसी व्यक्ति के जीवन का उद्देश्य बन जाता है, तो उसकी पहचान केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। सूरजपुर के डॉ. राहुल अग्रवाल टिंकू ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन, व्यावसायिक उपलब्धियों और निरंतर जनसेवा के माध्यम से ऐसी ही एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके इसी सामाजिक योगदान और समर्पण को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने जा रहा है।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा डॉ. राहुल अग्रवाल को महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड-2026 से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को जारी सम्मान पत्र के माध्यम से इसकी औपचारिक सूचना दी गई है। यह सम्मान 14 नवंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित अंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, जनपथ में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से अग्रवाल समाज के प्रतिनिधियों एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों की उपस्थिति रहेगी। सूरजपुर के लिए यह गौरव का विषय है कि यहां से जुड़ी एक शख्सियत को राष्ट्रीय मंच पर समाजसेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। डॉ. राहुल अग्रवाल को मिलने वाला यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि समाजसेवा के प्रति समर्पित सोच और मानवीय मूल्यों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि शारीरिक चुनौतियां किसी व्यक्ति की इच्छाशक्ति, कर्मठता और समाज के लिए कुछ करने के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकतीं। जहाँ संघर्ष ने उन्हें मजबूत बनाया, व्यावसायिक सफलता ने उन्हें सक्षम बनाया और सेवा भावना ने उन्हें समाज से जोड़े रखा। अब अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय मंच पर मिलने जा रहा महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड उनके इसी समर्पण का सम्मान होगा। इस उपलब्धि से सूरजपुर सहित पूरे सरगुजा संभाग में हर्ष और गौरव का वातावरण है।

हादसे ने बदली जिंदगी, लेकिन हौसले नहीं हुए कमजोर- डॉ. राहुल अग्रवाल टिंकू की जीवन यात्रा संघर्ष, आत्मविश्वास और अदम्य इच्छाशक्ति की मिसाल है। एक सड़क दुर्घटना के कारण उन्हें स्पाइनल कॉर्ड इंजरी का सामना करना पड़ा। यह उनके जीवन का बेहद चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के सामने हार मानने के बजाय अपने आत्मबल को मजबूत किया। शारीरिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने न केवल स्वयं को आत्मनिर्भर बनाए रखा, बल्कि व्यावसायिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी सक्रियता कायम रखी। यही संघर्ष आज उनके व्यक्तित्व को और अधिक प्रेरणादायी बनाता है।

व्यावसायिक सफलता के साथ समाजसेवा को बनाया जीवन का उद्देश्य- व्यावसायिक क्षेत्र में उन्होंने बर्बरीक प्रोजेक्ट लिमिटेड में वाइस प्रेसिडेंट के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कंपनी रेल, सड़क, खनन और आधारभूत संरचना विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्यरत है। व्यावसायिक दायित्वों के साथ-साथ उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, धार्मिक गतिविधियों, खेल और जरूरतमंदों की सहायता को भी अपने सामाजिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया है। उनके सेवा कार्यों में साधुराम विद्या मंदिर का संचालन, एसआरपीआर मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साधुराम सेवा कुंज तथा नर्सिंग कॉलेज के संचालन से जुड़ी पहलें शामिल हैं। इन संस्थानों के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समाज को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिव्यांगजनों की सेवा से लेकर निर्धन कन्याओं के विवाह तक विस्तृत सेवा का दायरा- डॉ. राहुल अग्रवाल की सेवा भावना का एक महत्वपूर्ण पक्ष दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता है। उनके द्वारा वर्षभर दिव्यांगजनों की सहायता एवं सेवा के कार्य किए जाते हैं। इसके साथ ही खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और सहयोग, निर्धन कन्याओं के विवाह में सहायता तथा आश्रयविहीन लोगों को आवास निर्माण में सहयोग जैसी गतिविधियां भी उनके सामाजिक सरोकारों को दर्शाती हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में देवगढ़ धाम में भंडारा, मां बागेश्वरी मंदिर निर्माण तथा कुदरगढ़ धाम में नौ दिवसीय सेवा भंडारे के आयोजन में उनका योगदान उल्लेखनीय है। वहीं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी वे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्विगी ने इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस के साथ मिलकर डिलीवरी पार्टनर्स के लिए व्यापक बीमा योजना को आगे बढ़ाया

भारत के प्रमुख ऑन-डिमांड सुविधा प्लेटफॉर्म स्विगी (Swiggy Ltd, NSE: SWIGGY / BSE: 544285) ने आज इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (जिसे पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के साथ अपने डिलीवरी पार्टनर्स के लिए व्यापक बीमा कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की घोषणा की। इस पहल के जरिए दोनों कंपनियों ने देश में तेजी से बढ़ रहे गिग वर्कफ़ोर्स की आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। वित्त वर्ष 2026 में स्विगी के दुर्घटना और स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों के तहत 25 लाख से अधिक डिलीवरी पार्टनर्स को बीमा सुरक्षा प्रदान की गई। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस के साथ नवीनीकृत बीमा योजना के तहत डिलीवरी पार्टनर्स को पहले की तरह 10,00,000रुपये का दुर्घटना मृत्यु बीमा कवर, अस्पताल में भर्ती होने पर 2,00,000रुपये तक का बीमा कवर और परिवार के लिए 1,00,000रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलता रहेगा।इसके अलावा, सभी महिला डिलीवरी पार्टनर्स और उन पुरुष डिलीवरी पार्टनर्स की पत्नियों को भी मातृत्व लाभ दिया जाएगा, जिनकी बीमा योजना में परिवार का कवर शामिल है। पिछली बीमा अवधि के दौरान मातृत्व संबंधी कुल दावों में से 75 प्रतिशत का लाभ डिलीवरी पार्टनर्स की पत्नियों ने उठाया।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्रों का आंकड़ा पार किया, 193 शहरों तक पहुँच का विस्तार किया

स्कोडा ऑटो इंडिया ने देशभर में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए 193 शहरों में 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्र स्थापित किए हैं, जिससे ग्राहकों के लिए इसके उत्पादों और वाहन स्वामित्व संबंधी सेवाओं तक पहुँच और आसान हुई है। 30 अक्टूबर, 2026 को इम्फाल में अपने 350वें ग्राहक संपर्क केंद्र का उद्घाटन करके ब्रांड ने यह उपलब्धि हासिल की और इसके साथ ही मणिपुर में भी प्रवेश किया। यह विस्तार स्थापित बाजारों के साथ-साथ उभरते क्षेत्रों में भी बिक्री और बिक्री-पश्चात सेवाओं को ग्राहकों के और करीब पहुँचाने की स्कोडा ऑटो इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, 193 शहरों में 350 से अधिक ग्राहक संपर्क केंद्रों का आंकड़ा पार करना पूरे भारत में ग्राहकों के लिए स्कोडा को और करीब लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारे मौजूदा और नए डीलर साझेदार इस यात्रा का अभिन्न हिस्सा हैं। भारत में स्कोडा ब्रांड को और मजबूत बनाने के हमारे दृष्टिकोण को साझा करने के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। नए बाजारों में प्रवेश करते समय हमारी प्राथमिकता स्पष्ट है—बिक्री और बिक्री-पश्चात सेवाओं के दौरान ग्राहकों को एक समान और समृद्ध अनुभव प्रदान करना।

हिंदवेयर ने रायपुर में दो नए गैलेरिया ब्रांड स्टोर के साथ छत्तीसगढ़ में उपस्थिति सुदृढ़ की

हिंदवेयर, भारत का अग्रणी बाथवेयर ब्रांड, ने रायपुर में दो नए विशेष गैलेरिया ब्रांड स्टोर के उद्घाटन के साथ छत्तीसगढ़ में अपनी रिटेल उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है। पाचपेड़ी नाका के प्रमुख स्थान पर स्थित ये दोनों स्टोर, वीएमजी एंटरप्राइजेज और गुप्ता ट्रेडर्स द्वारा संचालित हैं। अनुभव-आधारित रिटेल स्पेस (वास्तविक अनुभव प्रदान करने वाला रिटेल स्थान) के रूप में डिज़ाइन किए गए ये नए ब्रांड स्टोर हिंदवेयर की सैनिटरीवेयर, नल, शावर और बाथरूम समाधानों की उत्पाद श्रृंखला को एक साथ प्रस्तुत करते हैं, जिससे उपभोक्ता, वास्तुकार और इंटीरियर डिज़ाइनर एक ही छत के नीचे विभिन्न डिज़ाइन, फ़िनिशिंग और कार्यक्षमता को देख-परख सकते हैं। स्टोर शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए, श्री निरुपम सहाय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हिंदवेयर, ने कहा, रायपुर मध्य भारत में एक प्रमुख शहरी और आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहाँ आवासीय विकास, सुधरते बुनियादी ढाँचे और नया रायपुर सहित आसपास के क्षेत्र के विस्तार होम इंप्रूवमेंट सेक्टर के लिए नए अवसर उत्पन्न कर रहे हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता अपने घरों में अधिक निवेश कर रहे हैं, हम ऐसे उत्पादों में भी अधिक रुचि देख रहे हैं जो डिज़ाइन, कार्यक्षमता और गुणवत्ता का संगम हों। हमारे गैलेरिया ब्रांड स्टोर बाज़ार में हमारी स्थिति को सुदृढ़ करते हैं और उपभोक्ताओं, वास्तुकारों तथा डिज़ाइनरों को हिंदवेयर की संपूर्ण बाथरूम उत्पाद श्रृंखला को देखने-परखने और अपनी आवश्यकताओं व रुचियों के अनुरूप स्थान सँवारने के लिए एक समर्पित स्थान उपलब्ध कराते हैं। छत्तीसगढ़ में हमें अपार संभावनाएँ दिखती हैं और हम पूरे राज्य में अपनी रिटेल उपस्थिति का विस्तार करते रहेंगे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 04 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

अचानक आई आपदा नहीं

एनडीएमए के भीड़ प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों को धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धर्ताओं ने शायद पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर ग़म की कहानियों का लिखा जाना जारी है! कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पंडाल में मची भगदड़ के अगले ही दिन मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास दर्दनाक दुर्घटना हुई। कोलकाता में 19 और ग्वालियर में 15 श्रद्धालुओं की जान गई। हालांकि दो अलग जगहें हैं, दो घटनाएं हैं, और हादसों के शिकार पात्र अलग हैं, लेकिन दोनों दुर्घटनाओं में कई समान बातें हैं। बेशक, एक सड़क हादसा है, दूसरा भीड़ प्रबंधन की विफलता- लेकिन दोनों की जड़ में एक ही सच्चाई छिपी है कि धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा को लग्जरी मानने का नजरिया कायम है। ऐसा इसलिए है कि हर साल धार्मिक स्थलों पर ऐसे अनगिनत हादसे होने के बावजूद ना कोई सीख ली जाती है, और ना ही कोई प्रभावी जवाबदेही तय होती है। ग्वालियर में ट्रक उस सड़क पर पहुंच गया जहां नो एंट्री थी और दोपहिया वाहनों तक को रोका जा रहा था। ऐसे में बैरिकेड तोड़ कर ढलान से नीचे उतरते हुए ट्रक ने कैसे श्रद्धालुओं को कुचला, यह रहस्यमय है। पुलिस को मालूम था कि नवरात्रि में भारी भीड़ होगी, फिर भी वह पुख्ता इंतजाम करने में नाकाम रही। राहत कार्य का आलाम यह था कि पीड़ित परिवारों को खुद क्रेन किराए पर लेनी पड़ी, ताकि शव बाहर निकाले जा सकें। उधर कोलकाता के चोरबागान पंडाल में एक ही निकास था, गलियां संकरी थीं, अंदर अंधेरा था, और बारिश की स्थिति में लोगों को नियमित रूप से निकालने की व्यवस्था नहीं थी। आयोजकों की सुरक्षा संबंधी घोषणा और सुरक्षा गार्डों की सीटियों ने भगदड़ को और भड़का दिया। गौरतलब है कि यह कोई अचानक आई आपदा नहीं थी- बीते दिनों ही बैरिकेड कई बार टूट चुके थे, फिर भी अतिरिक्त तैयारियों की जरूरत नहीं समझी गई। हादसों के बाद की कहानी भी घिसीपिटी है: कुछ पुलिसकर्मियों का निलंबन, आयोजकों की गिरफ्तारी, मुआवजे की घोषणा और जांच आयोग का गठन। जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में ही भीड़ प्रबंधन के दिशा-निर्देश तैयार किए थे। धार्मिक आयोजनों के कर्ता-धर्ताओं ने शायद उसे पढ़ने की जरूरत भी नहीं समझी है। नतीजतन, हंसी-खुशी के मौकों पर ग़म और दर्द की कहानियों का लिखा जाना जारी है!

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

ललित गर्ग



खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, मोदी का बाप भी जाएगा। इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए? खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है? प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए। राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्क को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए।

आलेख

कार्बन कैप्चर,उपयोग और भंडारण

भारत को वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंचाने में कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस तकनीक के माध्यम से औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में पहुंचने से पहले ही एकत्र किया जाता है। इसके बाद इसका उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जा सकता है या इसे जमीन के भीतर सुरक्षित रूप से भंडारित किया जा सकता है। इससे न केवल उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार इस क्षेत्र में ऐसा तंत्र विकसित करने पर काम कर रही है, जिसमें अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी उद्योगों को एक साथ लाया जा रहा है। देश के कई राज्यों में इस तकनीक से जुड़ी परियोजनाएं संचालित हैं, जबकि कुछ निर्माणाधीन और प्रस्तावित चरण में हैं। इन पहलों का उद्देश्य स्वदेशी कार्बन संग्रहण तकनीक, कार्बन के उपयोग और सुरक्षित भंडारण की क्षमता विकसित करना है। भारत की वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन की यात्रा के लिए ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन घटाना आवश्यक है। नवीकरणीय ऊर्जा से उत्सर्जन में काफी कमी लाई जा सकती है, लेकिन कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में अत्यधिक तापमान अथवा कार्बन आधारित कच्चे माल की आवश्यकता होती है। ऐसे उद्योगों का पूरी तरह विद्युतीकरण करना आसान नहीं है। कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण तकनीक इन क्षेत्रों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने का अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध कराती है। नीति आयोग ने इस्पात, सीमेंट, तेल एवं गैस, पेट्रोरसायन, रसायन और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन कम करने के लिए इस तकनीक को महत्वपूर्ण माना है। ये उद्योग औद्योगिक उत्सर्जन में बड़ा योगदान देते हैं और इनके उत्सर्जन को व्यापक स्तर पर कम करना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है। सीसीयूएस तकनीक मौजूदा संयंत्रों से उत्सर्जन घटाने के साथ आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन जारी रखने में भी मदद कर सकती है। इससे नई तकनीकों, बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षमताओं के विकास के अवसर भी पैदा होंगे। कार्बन संग्रहण, उपयोग और भंडारण की प्रक्रिया मुख्य रूप से तीन चरणों में पूरी होती है। पहले चरण में औद्योगिक संयंत्रों से निकलने वाली गैसों से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग किया जाता है। इसके लिए विशेष संग्रहण प्रणालियों का उपयोग होता है। एकत्र की गई गैस को शुद्ध और सुखाने के बाद दबाव के साथ सघन रूप में तैयार किया जाता है, ताकि इसे आगे परिवहन या उपयोग के लिए भेजा जा सके। दूसरे चरण में संग्रहित कार्बन डाइऑक्साइड को उपयुक्त स्थान तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए सामान्यतः पाइपलाइन का उपयोग किया जाता है। लंबी दूरी तक परिवहन के लिए जहाज और अन्य साधन भी उपयोगी हो सकते हैं। परिवहन का माध्यम दूरी, मात्रा, उपलब्ध बुनियादी ढांचे और गंतव्य के आधार पर तय किया जाता है। तीसरे चरण में एकत्र कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग उपयोगी उत्पाद बनाने में किया जाता है अथवा इसे जमीन के भीतर स्थायी रूप से भंडारित किया जाता है। इसका उपयोग खाद्य एवं पेय पदार्थ, यूरिया, हरित मेथनॉल, कंक्रीट और उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति जैसी प्रक्रियाओं में किया जा सकता है। स्थायी भंडारण के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को जमीन के काफी नीचे स्थित उपयुक्त भूगर्भीय संरचनाओं में पहुंचाया जाता है। इनमें समाप्त हो चुके तेल एवं गैस भंडार, गहरे खारे जल वाले भूस्तर और बेसाल्ट चट्टानों की संरचनाएं शामिल हैं। भारत में सीसीयूएस के विकास के लिए क्षेत्रीय केंद्रों और औद्योगिक समूहों की अवधारणा पर काम किया जा रहा है। इसके तहत कई औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड को एकत्र कर साझा पाइपलाइन और परिवहन नेटवर्क के माध्यम से उपयोग अथवा भंडारण स्थलों तक पहुंचाया जा सकता है। नीति आयोग ने भारत के लिए इस केंद्र आधारित व्यवस्था को उपयुक्त माना है। इससे बड़े स्तर पर लागत कम करने, बुनियादी ढांचे से जुड़े जोखिम घटाने और कार्बन डाइऑक्साइड की उपलब्धता को संभावित मांग से जोड़ने में मदद मिल सकती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वर्ष 2025 के सीसीयूएस कार्ययोजना दस्तावेज में ऐसे औद्योगिक और भूगर्भीय क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां इस प्रकार के केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। इनमें रिफाइनरी और रासायनिक उद्योगों की अधिकता वाला गुजरात का तटीय क्षेत्र, इस्पात और सीमेंट उद्योगों वाला ओडिशा-झारखंड क्षेत्र तथा तेल एवं गैस संसाधनों से जुड़ा पूर्वोत्तर भारत शामिल है। इस्पात, सीमेंट, रिफाइनरी, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों में उत्पादन प्रक्रिया के दौरान सीधे कार्बन डाइऑक्साइड निकलती है।

वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत की विकास गाथा और मोदी सरकार का निर्णायक आर्थिक दृष्टिकोण....

डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा

आज पूरा विश्व एक अभूतपूर्व संकट, अस्थिरता और युद्धों के दौर से गुजर रहा है। यूरोप में जारी संघर्ष हो या पश्चिम एशिया में गहराता तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाएं छिन्न-भिन्न हैं, वैश्विक ऊर्जा बाजार दबाव में है और विकसित अर्थव्यवस्थाएं सुस्ती तथा मुद्रास्फीति की दोहरी मार से जूझ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जहां वैश्विक विकास दर के मात्र 3.1 से 3.2 प्रतिशत के आसपास सीमित रहने का अनुमान जताया है, वहीं ऐसे जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर में भारत का विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में मजबूती से खड़े रहना किसी आर्थिक चमत्कार से कम नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक नेतृत्व, दूरगामी नीतियों और सुधारोन्मुखी शासन का ही प्रत्यक्ष प्रमाण है। आईएमएफ की नवीनतम 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट ने इस पर आधिकारिक मुहर लगाई है। आईएमएफ के ताजा अनुमान के अनुसार, भारत की जीडीपी विकास दर 2026 और 2027, दोनों वर्षों में 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा महज एक सांख्यिकी नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती और लचीलेपन का साक्षात प्रमाण है। जहां दुनिया की बड़ी-बड़ी महाशक्तियां मंदी की आशंकाओं से घिरी हैं, वहीं भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि के सबसे बड़े इंजन के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देश ने नीतिगत निरंतरता और साहसिक संरचनात्मक सुधारों का नया अध्याय देखा है। पीएम गति शक्ति, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और पूंजीगत व्यय में निरंतर रिकॉर्ड वृद्धि ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर का कायाकल्प कर दिया है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे संकल्पों ने घरेलू विनिर्माण को अभूतपूर्व संबल प्रदान किया है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) योजनाओं के प्रभाव से आज भारत मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण का वैश्विक केंद्र बन चुका है, जिससे लाखों नए रोजगार सृजित हुए हैं। इसके साथ ही, डिजिटल इंडिया और यूपीआई ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाकर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक वित्तीय समावेशन पहुँचाया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत हजारों गैर-जरूरी अनुपालनों को समाप्त कर एमएसएमई, खुदरा व्यापारियों और स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। आज भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप



इकोसिस्टम वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है।परंतु, इस आर्थिक विजय यात्रा के बीच एक चिंताजनक और कड़वी सच्चाई की अनदेखी नहीं की जा सकती। जब पूरा विश्व भारत के आर्थिक लचीलेपन की सराहना कर रहा है, तब देश का कुछ हताश विपक्ष बाहरी शक्तियों के साथ मिलकर भारत के आंतरिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति को पटरी से उतारने की साजिशों में लिप्त दिखाई देता है। विदेशी मंचों और संदिग्ध अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों से परोक्ष वित्तीय व वैचारिक सहायता प्राप्त कर देश में सामाजिक विभाजन पैदा करने, निवेशकों के विश्वास को डिगाने और सरकार के विकासवादी कदमों पर भ्रम फैलाने के सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था को बदनाम करने वाले यह टूलकिट सिंडिकेट भूल जाते हैं कि 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं और उनका विश्वास प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। देश विरोधी मंसूबे कभी भी भारत की विकास यात्रा को नहीं रोक सकते। भारत की मजबूत घरेलू मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग और पारदर्शी नीतियां देश को हर वैश्विक झटके को सहने में सक्षम बना रही हैं। भारत केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के भविष्य की दिशा तय करने वाली महाशक्ति बन चुका है। हमारे व्यापारी, छोटे उद्यमी और कर्मठ कामगार इस आर्थिक क्रांति के असली ध्वजवाहक हैं।2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को दिया है, यह आर्थिक गति उसी की मजबूत बुनियाद है। चुनौतियों से घिरी दुनिया में भारत एक स्थिर, सुरक्षित और प्रगतिशील प्रकाश स्तंभ बनकर दुनिया को रास्ता दिखा रहा है।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद हैं)

ज्ञानेश और चुनाव आयोग ने मिलकर दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

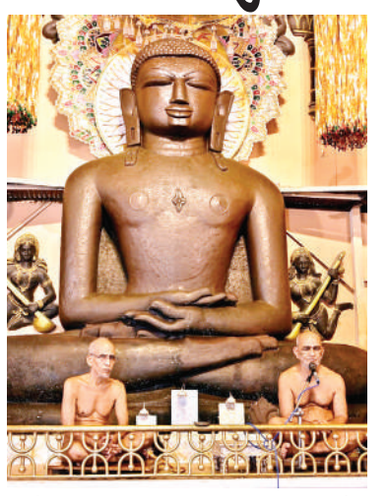
एक बुनियादी बात समझना जरूरी है। किसी फाइल पर किसी अधिकारी या निर्वाचन आयुक्त की टिप्पणी, सवाल अथवा सुझाव दर्ज होने का अर्थ अपने आप यह नहीं होता कि आयोग ने अंतिम निर्णय भी उसी टिप्पणी के आधार पर लिया। चुनाव आयोग पर सवाल उठाना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवालों की आड़ में संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार हमला करना और तथ्यों के सामने आने के बाद भी राजनीतिक आरोपों की धार बनाए रखना लोकतांत्रिक विमर्श की स्वस्थ परंपरा नहीं हो सकती। हम आपको बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में काम कर रहे भारतीय निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफ्नामे के जरिए उन आरोपों का जवाब दिया है, जिनके माध्यम से आयोग की निर्णय प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आयोग का पक्ष सामने आने के बाद अब इस पूरे विवाद को केवल राजनीतिक आरोपों के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। दस्तावेज क्या कहते हैं, कानून क्या कहता है और अदालत के सामने कौन-सी दलीलें रखी गई हैं, यह देखना भी उतना ही जरूरी है। हम आपको यह भी बता दें कि आज इस मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के हलफ्नामे पर जवाब दाखिल करने के लिए याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को 10 दिन का समय दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद करने का फैसला किया है। अगली सुनवाई 17 नवंबर को होने की संभावना है। इसका अर्थ यह है कि अदालत ने अभी न तो आयोग के पक्ष को अंतिम रूप से स्वीकार किया है और न ही याचिकाकर्ताओं के आरोपों को सही ठहराया है। अदालत दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर मामले को आगे बढ़ाएगी। दूसरी ओर, आयोग के हलफ्नामे का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उसने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एकतरफा फैसले लेने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि एसआईआर से जुड़े तीन प्रमुख आदेश 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 को तीनों सदस्यों की सर्वसम्मति से जारी किए गए थे। आयोग के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों निर्वाचन आयुक्तों की सहमति से ही इन निर्णयों को अंतिम रूप दिया गया। हलफ्नामे को भी ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की सर्वसम्मति



से मंजूरी दी गई। साथ ही यहां एक बुनियादी बात समझना जरूरी है। किसी फाइल पर किसी अधिकारी या निर्वाचन आयुक्त की टिप्पणी, सवाल अथवा सुझाव दर्ज होने का अर्थ अपने आप यह नहीं होता कि आयोग ने अंतिम निर्णय भी उसी टिप्पणी के आधार पर लिया। आयोग ने अपने हलफ्नामे में इसी अंतर को स्पष्ट किया है। उसका कहना है कि फाइलें निर्धारित प्रक्रिया के तहत एक निर्वाचन आयुक्त से दूसरे निर्वाचन आयुक्त और फिर मुख्य चुनाव आयुक्त के पास जाती हैं। जरूरी मामलों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मंजूरी भी ली जा सकती है, जिसे बाद में रिकॉर्ड पर दर्ज किया जाता है। आयोग का तर्क है कि आंतरिक विचार-विमर्श को अंतिम निर्णय के साथ मिलाकर देखना उचित नहीं है। यह दलील उन आरोपों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिनमें दावा किया गया था कि एसआईआर से जुड़े 14 निर्णय दोनों निर्वाचन आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद आयोग के नाम पर लिए गए। लेकिन आयोग ने इन आरोपों के आधार को चुनौती देते हुए कहा है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट अपने आप में आरोपों का निर्णायक कानूनी प्रमाण नहीं हो सकती। अब याचिकाकर्ता को अपना जवाब दाखिल करना है और अदालत को यह तय करना है कि उपलब्ध रिकॉर्ड से क्या निष्कर्ष निकलता है। दूसरा बड़ा मुद्दा फॉर्म-6 को लेकर है, जिसका इस्तेमाल मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए किया जाता है। आयोग ने कहा है कि वैधानिक फॉर्म-6 में संशोधन नहीं किया गया। उसके मुताबिक, एसआईआर के दौरान मांगा गया अतिरिक्त घोषणा-पत्र अलग दस्तावेज है, जिसे मूल आवेदन-पत्र में संशोधन नहीं माना जाना चाहिए। हालांकि आयोग ने यह स्वीकार किया कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की प्रस्तुति से फॉर्म-6 में बदलाव होने का आभास पैदा हो सकता था। इसके बाद 21 अक्टूबर से ऑनलाइन प्रक्रिया को फॉर्म-6 और अलग एसआईआर घोषणा-पत्र में विभाजित करने की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही गई। यही वह बिंदु है जहां आयोग के पक्ष को संतुलित दृष्टि से देखना चाहिए। किसी प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए उसमें सुधार करना प्रशासनिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। यदि ऑनलाइन व्यवस्था से भ्रम पैदा हुआ था, तो उसे अलग करना उपयोगी कदम हो सकता है। लेकिन इससे यह निष्कर्ष अपने आप नहीं निकलता कि हर विवाद समाप्त हो गया। असली कसौटी यह है कि व्यवस्था कानून के अनुरूप है या नहीं और पात्र मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही। साथ ही आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर भी अपना पक्ष रखा है। उसका कहना है कि जिन मतदाताओं का रिकॉर्ड पुरानी मतदाता सूचियों से नहीं मिल पाता।

आत्मज्ञान होने पर दुख भी सुख जैसा अनुभूत होने लगता है, प्रतिकूल परिस्थितियों में समता बनाए रखना ही सच्चा सुख है : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी

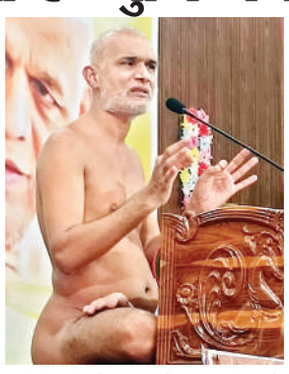
■ 9 नवंबर को भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव पर निर्वाण लाडू अर्पित किया जाएगा



कुण्डलपुर (दमोह) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने आत्मज्ञान, निर्विकल्पता, कर्म सिद्धांत और समता भाव का महत्व समझाते हुए कहा कि अध्यात्म के मार्ग में निर्विकल्पता का बहुत बड़ा महत्व है। जहां संकल्प और विकल्पों का जाल है, वहां वास्तविक अध्यात्म नहीं हो सकता। संकल्प-विकल्प से रहित अवस्था ही निर्विकल्पता है। समयसार ग्रंथ केवल पढ़ने और समझने का विषय नहीं है, बल्कि उसकी वास्तविक सार्थकता आत्मानुभूति में है। समयसार का वास्तविक अर्थ आत्मसार है। ग्रंथ में तो केवल संकेत दिए गए हैं, उनके सार को अपने भीतर अनुभूत करना ही सच्ची साधना है। समयसार लिखने-पढ़ने का नहीं, बल्कि अनुभूति का नाम है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं स्थानीय प्रचार मंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री ने आचार्य श्री के दोहे 'हलका लगता जल भरा घट भी जल में जान, दुख सुख सा अनुभूत हो हो जब आतम ज्ञान' की व्याख्या करते हुए कहा कि पानी से भरा घड़ा बाहर उठाने पर भारी लगता है, लेकिन जब उसे पानी के भीतर रखा जाता है तो उसका भार महसूस नहीं होता। इसी प्रकार आत्मज्ञान प्राप्त व्यक्ति के जीवन में दुख की परिस्थितियां भी सुख जैसी अनुभूत होने लगती हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि जीवन में दुख नहीं आएंगे, बल्कि आत्मज्ञान के कारण व्यक्ति उन परिस्थितियों में भी विचलित नहीं होता। उन्होंने कहा कि जो हम चाहते हैं, वह नहीं हो पाता और जो नहीं चाहते, वही बार-बार सामने आता है, यही मानसिक व्याकुलता दुख का कारण बनती है। इष्ट का वियोग और अनिष्ट का संयोग जीवन में आते रहते हैं। गृहस्थ जीवन में अनेक जिम्मेदारियां, पारिवारिक समस्याएं और प्रतिकूल परिस्थितियां आती हैं। ऐसे समय में यदि व्यक्ति तत्वज्ञान, द्रव्य-गुण-पर्याय की व्यवस्था और कर्म सिद्धांत को समझता है तो वह परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए समता और संतोष का अनुभव कर सकता है। मुनि श्री ने कहा कि विद्यार्थी परीक्षा में सफलता मिलने पर प्रसन्न हो जाते हैं और असफलता मिलने पर निराश हो जाते हैं। इसी प्रकार व्यापारी लाभ होने पर फूला नहीं समाता और नुकसान होने पर परेशान हो जाता है। ज्ञानी व्यक्ति इन दोनों परिस्थितियों में अपने परिणामों को संभालकर रखता है, क्योंकि वह जानता है कि समय हमेशा एक जैसा नहीं रहता। कर्मों के उदय के अनुसार परिस्थितियां और परिणमन होते हैं। आत्मज्ञान का अर्थ वास्तविकता का बोध, अपने और पराए का भेदविज्ञान तथा आत्मा के स्वरूप को समझना है। कर्म सिद्धांत की समझ नहीं होने के कारण मनुष्य स्वयं को कर्ता मानता है और परिस्थितियां अनुकूल न होने पर दूसरों को दोष देने लगता है।

मजबूरी का नहीं, मजबूती का नाम महात्मा गांधी है: मुनि श्रमण सागर जी

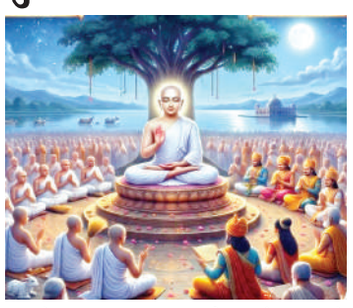
■ विपरीत परिस्थिति में हौसला बनाए रखने का मार्गदर्शन।



राघौगढ़ (विश्व परिवार)। आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, प्रवचन वाचस्पति, विद्यागुरु कुल भूषण, औजस्वी वक्ता, बुंदेली आशु कवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने राघौगढ़ नगर में जारी श्रमण धारा प्रवचन माला में मंगलवार को हौंसला कैसे बनाए रखें विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा। जीवन में आई चुनौतियां एवं विपरीत परिस्थितियों में आज हौसला न रखकर आत्महत्या जैसे जीवन समाप्त करने के निर्णय ले लेते हैं। आपने कहा जीवन में विपरीत परिस्थितियों में निराश न हो चुनौतियों का सामना हौसला रखकर करें अवश्य ही परिस्थितियों बदलेंगी। पिछले तीन-चार दिन पहले हुई एक दुखद घटना का उल्लेख करते हुए आपने कहा पिता ने जीवन से निराश होकर पहले अपने दो पुत्रों की हत्या की इसके बाद स्वयं रेल से कटकर मर गया। इस तरह की घटनाएं आए दिन सुनने में आ रही है।आपने कहा जीवन में तीन तरह से परेशानी आती है आर्थिक रूप से, मानसिक रूप से एवं शारीरिक रूप से। आर्थिक परेशानी का उदाहरण देते हुए आपने कहा सागर में एक परिवार था उनके बेटे ने वायदा व्यापार जैसे निकृष्ट कार्य में परिवार की सारी संपत्ति दाव पर लगा दी। मकान, दुकान एवं खेत बिक गया कुछ नहीं बचा। पिता ने हिम्मत नहीं हारी उन्होंने बीड़ी का कारोबार शुरू किया। आज वह परिवार सागर में बड़े उद्योगपतियों में गिना जाता है। बेटे ने भी गलत आदत छोड़कर पिता का साथ दिया। मानसिक परेशानी का उल्लेख करते हुए आपने कहा गधे को हम सबसे बुद्धिहीन मानते हैं एक बार गधा जा रहा था उसने ठीक से नहीं देखा और कुएं में गिर गया। जब गांव के मुखिया को पता चला तो उन्होंने सोचा कि इस गधे को तो कुएं से कोई निकलेगा नहीं, वह गधा कुएं में मर गया तो गंदगी से हालत खराब हो जाएगी।

श्रद्धा और संयम के समावेश से ही मनुष्य जीवन होगा सार्थक : मुनि संवेगरत्न सागर जी

■ विवेकानंद नगर में भगवान महावीर की अंतिम दिव्य देशना 'उत्तराध्ययन सूत्र' का स्वाध्याय



रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में सर्वमंगलमय वर्षावास में भगवान महावीर स्वामी की अंतिम दिव्य देशना पर आधारित श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र का स्वाध्याय प्रारंभ है। परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. आदि ठाणा-5 की पावन निश्रा में प्रतिदिन धर्मसभा में श्रद्धालु जिनवाणी का श्रवण कर रहे हैं।

धर्मसभा में मुनिश्री ने उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्ययनों में से प्रारंभिक तीन अध्ययनों का मूल पाठ एवं भावार्थ समझाया। प्रथम अध्ययन 'विनयश्रुत' में विनय को ज्ञान प्राप्त करने की पात्रता बताया गया है। द्वितीय अध्ययन 'परीषह प्रविभक्ति' के माध्यम से कठिनाइयों को समभाव से सहन कर साधना के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई। वहीं तृतीय अध्ययन 'चतुरंगीय' में मनुष्य जन्म, जिनवाणी का श्रवण, धर्म के प्रति श्रद्धा और संयम के पुरुषार्थ को दुर्लभ बताते हुए इनके महत्व को समझाया गया।

मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य जीवन मिलना दुर्लभ है और इस जीवन में जिनवाणी सुनने का अवसर मिलना उससे भी अधिक दुर्लभ है। जब जीवन में श्रद्धा और संयम का समावेश होता है, तभी मनुष्य जीवन सार्थक बनता है।

एनआईटी रायपुर के 17वें दीक्षांत समारोह संपन्न

■ शामिल हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ 7 'सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस' का किया शुभारंभ



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के 17वें दीक्षांत समारोह एवं सात नव-स्थापित 'सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस' के भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बी.टेक, बी.आर्क, एम.टेक, एम.एससी, एमसीए और पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उवल एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

केंद्रीय मंत्री ने पूरी की मांग, क्रिटिकल मिनरल्स सेंटर की मिली सौगात

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विशेष आग्रह को स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री ने एनआईटी रायपुर में 'क्रिटिकल मिनरल्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्वीकृति दी। उन्होंने बताया कि एनआईटी में शुरू हो रहे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), क्रिटिकल मिनरल्स और कंप्यूटेशनल मैकेनिज्म सहित सभी सात उत्कृष्टता केंद्र देश के तकनीकी परिदृश्य को नई गति देंगे। भारत को महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और आयात पर निर्भरता घटाने में यह संस्थान अग्रणी भूमिका निभाएगा।

संस्थान से जुड़ी पुरानी यादें कीं साझा

अपने संबोधन में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एनआईटी के साथ जुड़े अपने पुराने दिनों को भावुकता से याद किया। उन्होंने कहा, जब यह केवल एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था, तब छात्र राजनीति और आंदोलनों के दौरान हमने यहाँ के हॉस्टलों में महीनों रहकर दिन-रात बिताए हैं। यह देश का पहला ऐसा इंजीनियरिंग कॉलेज रहा है जिसने खनन (माइनिंग) और मेटलर्जी की शुरुआत की। उन्होंने उस दौर के कम खर्च और सादगी भरे दिनों का जिक्र करते हुए कहा कि यहाँ से निकले छात्र आज देश और दुनिया के बड़े-बड़े संस्थानों में शीर्ष पदों पर नेतृत्व कर रहे हैं। पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में अपने अनुभवों को साझा करते हुए सांसद ने कहा कि शोध केवल 200-500 रिसर्च पेपर्स की फाइलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका असली मूल्यांकन इस बात से होना चाहिए कि उससे धरातल पर कितने लोगों के जीवन में सुधार और विकास हुआ।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में विविध जागरूकता गतिविधियों का आयोजन



रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय, नया रायपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में तीन प्रमुख गतिविधियों के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकीकरण, विविधता में एकता एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। इसके पश्चात एनएसएस स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लेकर परिसर की स्वच्छता, स्वच्छता व्यवहार, उचित अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्लास्टिक के कम उपयोग के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के सीईओ चिन्मय दावड़ा, डायरेक्टर जनरल डॉ चार्मी दावड़ा, मानद निदेशक तुलसीदास सिंघानी, प्रति कुलपति डॉ. वरुण गंजीर, कुलसचिव विपिन श्रीवास्तव ने इस बहुउद्देशीय कार्यक्रम की जमकर सराहना की और सामाजिक एकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. स्मिता प्रेमानंद, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक अंजलि शर्मा, सोनल जलछत्री, रचना, बुशरा खान, विवि के सभी संकायों के अधिष्ठाता, प्राध्यापकगण, एनएनएस स्वयंसेवक सहित सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

MY Bharat रायपुर के द्वारा दुर्गा कॉलेज रायपुर में आयोजित हुई विकसित भारत युवा संसद 2026-27

■ युवाओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राष्ट्र निर्माण पर रखे विचार



रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल MY Bharat (मेरा युवा भारत) के तत्वावधान में आज दुर्गा कॉलेज, रायपुर में विकसित भारत युवा संसद 2026-27 का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय परंपराओं, संवैधानिक मूल्यों तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ते हुए उनमें नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन डॉ. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार द्वारा दिया गया। आयोजन को सफल बनाने में सुनीता चौन्सरिया का विशेष सहयोग रहा। साथ ही दुर्गा कॉलेज की MY Bharat नोडल अधिकारी डॉ. सुचित्रा राठी का भी महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. सुभाष चंद्राकर, डॉ. अमन झा, डॉ. ज्ञानेश शंकर पांडे, डॉ. गणेश शंकर पांडे, दिव्या वर्मा एवं डॉ. मधु अग्रवाल उपस्थित रहे। निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों के विषय ज्ञान, तार्किक क्षमता, विचारों की स्पष्टता, प्रस्तुतीकरण एवं संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया गया। युवा संसद में प्रतिभागियों ने अपने विचारों और वक्तव्यों के माध्यम से लोकतंत्र की मजबूती, युवाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी, संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका तथा विकसित भारत के संकल्प में युवाओं के योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

दीपावली पर गोबर के वैदिक दीपक निःशुल्क बांट रही मनोहर गौशाला

■ पंडरी में दो स्थानों से प्राप्त कर सकेंगे दीपक, गौ संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का संदेश



रायपुर (विश्व परिवार)। दीपावली पर गौ संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए खैरागढ़ की मनोहर गौशाला ने गोबर से बने वैदिक दीपकों का निःशुल्क वितरण शुरू किया है। इन दीपकों को गोबर और पारंपरिक औषधीय सामग्री से तैयार किया गया है। गौशाला परिवार ने लोगों से इन्हें तिल के तेल से जलाने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य गौसेवा, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है।

गौशाला परिवार के अनुसार, पिछले वर्षों में भी ये दीपक देश-विदेश में निःशुल्क भेजे गए हैं। राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, विभिन्न राजभवनों और मुख्यमंत्री कार्यालयों तक भी दीपक भेजे जा चुके हैं। संस्था ने प्रत्येक परिवार से दीपावली पर कम से कम एक गोबर का दीपक जलाने की अपील की है।

यहां मिलेंगे निःशुल्क दीपक: पंडरी स्थित महालक्ष्मी मार्केट की दुकान नंबर-2, मनोहरा साड़ी और मनोहर गौशाला के मुख्य कार्यालय एवं जैविक कृषि प्रशिक्षण केंद्र से दीपक प्राप्त किए जा सकते हैं।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

■ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बाल संरक्षण कानूनों और साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक



जगदलपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, माड़पाल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं को बच्चों के अधिकारों, संरक्षण एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बच्चों को लैंगिक अपराधों की पहचान, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा ऐसी किसी घटना की स्थिति में शिकायत करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त साइबर सुरक्षा, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं मोटरयान अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री शिव प्रकाश त्रिपाठी एवं जिला न्यायाधीश उदयलक्ष्मी सिंह परमार उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती गीता मोहनते सहित शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद् के तत्त्वावधान में संगोष्ठी सम्पन्न





इन्दौर (विश्व परिवार)। दिनांक 24 अक्टूबर, 2026 को प्रो.अशोक कुमार जैन वाराणसी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी निर्देशक- प्रा. अरुणकुमार जैन एवं डॉ. जयकुमार जैन, अध्यक्ष- प्रो.अशोककुमार जैन (अ.भा.दि.जैन विद्वत्परिषद्), संयोजक- डॉ. सुरेन्द्रकुमार जैन भारती, सह संयोजक- डॉ. किरणप्रकाश जैन, स्थानीय संयोजक- डॉ. पंकजकुमार जैन, विद्वत श्री अशोक जैन शास्त्री, श्री प्रदीप जैन शास्त्री एवं श्री राजीव जैन निराला ने महती भूमिका का निर्वाह किया।

संगोष्ठी में आलेख वाचन इस प्रकार किया गया- प्रो. सुरेन्द्र जैन भारती- जैनधर्म की मौलिक विशेषताएं, डॉ. किरणप्रकाश जैन, सांगानेर- निमित्त-उपादान मीमांसा, वि.श्री संजीवकुमार जैन,महरौनी- पुण्य-पाप विवेचन, प्रो.फूलचन्द जैन प्रेमी, वाराणसी- जैन ज्ञान मीमांसा , प्रो.विजयकुमार जैन,नई दिल्ली - जैनधर्म और बौद्ध साहित्य, प्रो. धर्मचन्द जैन,जयपुर - श्वेताम्बर साहित्य में दिगम्बरत्व, विदुषी डॉ. राका जैन, नई दिल्ली - जैन तत्त्व मीमांसा ,डॉ. सन्तोषकुमार जैन, सीकर - णमोकार मन्त्र की प्राचीनता एवं व्यावहारिकता, डॉ. नरेन्द्रकुमार जैन, सनावद - जैन पर्वों की अवधारणा, विदुषी मंजुलता छावड़ा, जयपुर - अष्टांग सम्यक दर्शन का वर्तमान स्वरूप, ब्र. विनोद भैया, छतरपुर - वस्तु एवं विश्व व्यवस्था, वि.श्री सुरेन्द्रकुमार जैन, इन्दौर - जिनशासन की विशेषताएं, डॉ. राजेन्द्र चिन्तामणि जैन, नागपुर - जैन योग एवं ध्यान की प्रासंगिकता, वि.श्री नवीन जैन शास्त्री, भोपाल - जैन संस्कार : जन्म से मृत्यु/निर्वाण तक, वि.श्री आलोककुमार जैन, दिल्ली - जैन इतिहास के विशिष्ट नायकों का योगदान, डॉ. अभिषेककुमार जैन, पुणे - जिनभक्ति का स्वरूप एवं मौलिकता, वि.श्री अशोककुमार जैन शास्त्री, इन्दौर- व्रतों की मौलिकता, विदुषी ब्र. सविता जैन, भोपाल - प्रथमानुयोग की कथाओं के केन्द्र में नारी, वि.श्री अनन्त जैन शास्त्री, सोलापुर- चतु:अनुयोग मीमांसा, विदुषी डॉ. सोनू जैन, उदयपुर - आचार-विचार में जैनत्व,वि.श्री आकाश जैन,चौरई- अष्टमूलगुण पालन एवं सप्त व्यसन त्याग, वि.श्री सौरभ जैन, रायपुर- श्रावक धर्म का स्वरूप एवं प्रासंगिकता,वि.श्री महेश जैन, सतना - घाति-अघाति कर्म का स्वरूप एवं प्रभाव, वि.श्री शुभम् जैन, अशोकनगर -जैन आहार व्यवस्था, डॉ. पुलक जैन गोयल, जबलपुर - रत्नत्रय की अवधारणा, प्रो. अशोककुमार जैन, वाराणसी- स्याद्वाद दर्शन की मौलिकता ,डॉ. शीतलचन्द जैन, जयपुर - जैन न्यायदर्शन की अवधारणा एवं प्रमुख नैयायिक, डॉ. सतेन्द्रकुमार जैन,जयपुर - जैन धर्म अनुयायी प्रमुख राजवंश, प्रा. अरुणकुमार जैन, सांगानेर - जैन व्याकरण एवं जैन वैयाकरण, डॉ. पंकजकुमार जैन, इन्दौर - श्रावक की ग्यारह प्रतिमाएं, ब्र. डॉ. अनिल जैन, जयपुर - जैनदर्शन की मौलिकता : प्रमाण मीमांसा, प्रो. जिनेन्द्रकुमार जैन, लाडनूं- जैनधर्म और ईश्वरवाद,डॉ. राकेश जैन साहित्याचार्य, जयपुर- जैनधर्म का भाषात्मक योगदान,डॉ. नरेन्द्रकुमार जैन, टीकमगढ़- सप्तभङ्गीवाद का स्वरूप एवं प्रासंगिकता, डॉ. ज्योति जैन, खतौली- जैन तीर्थों की प्राचीनता एवं नवनिर्माण, वि.श्री जितेन्द्र जैन, अहमदाबाद- जैन विवाह की सामाजिकता,वि.श्री दिनेश जैन गंगवाल, जयपुर- जैन देव शिल्प, मंदिर वास्तु संरचना, डॉ. शिखरचन्द जैन, नई दिल्ली - जैन नय व्यवस्था की व्यावहारिकता,विदुषी डॉ. उवला गोसावी, छत्रपति संभाजीनगर - तीर्थकरत्व की अवधारणा,डॉ. प्रदीप जैन, दमोह- जैन आचार्य परम्परा एवं उनका प्रदेय, विदुषी निर्मला जैन सांघी, जयपुर- चतु:पुरुषार्थ की अवधारणा ,वि.श्री वैभव जैन मेहेत्रे, जालना- मुनिधर्म का स्वरूप एवं प्रासंगिकता, विदुषी प्रियंका जैन, सागर- जिनभक्ति की मौलिकता,वि.श्री महेन्द्रकुमार जैन, मुरैना- जैन व्रताचरण की मौलिकता,विदुषी डॉ. नीलम जैन सर्राफ ललितपुर- धर्म के दशलक्षण ,वि.श्री आलोक मोदी, ललितपुर- गुणस्थान विवेचन,डॉ. सुमतकुमार जैन, उदयपुर- द्रव्य-गुण-पर्याय विवेचन,ब्र. डॉ. धर्मेन्द्र जैन, जयपुर - पंचसमवाय,वि.श्री सतीशकुमार जैन, सांगानेर- पंचपरमेष्ठी का स्वरूप एवं आधारभूत पद,प्रो. रामनारायण झा, जयपुर- मुनिपुङ्गव श्री सुधासागर महाकाव्य, वि.श्री ज्ञानेन्द्र जैन गदिया, सूरत-आहारदान का स्वरूप, ब्र. प्रदीप जैन सुयश, अशोकनगर- पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, डॉ. शैलेशकुमार जैन, उदयपुर- मुनियों की समाचार विधि, वि.श्री अमित जैन शास्त्री, जबलपुर-जिनाभिषेक एवं शांतिधारा का उद्भव एवं वैशिष्ट्य, डॉ. नीरजकुमार जैन, इन्दौर- भावनायोग का महत्त्व, डॉ. अरिहन्त जैन, मुम्बई- जैन सर्वोदय तीर्थ की मौलिकता, डॉ. मनोजकुमार जैन निर्लिप्त, अलीगढ़- जैन फूड का औचित्य। सभी आलेखों की समीक्षा जगत्पूज्य निर्यापक मुनिपुङ्गव श्री सुधासागर जी महाराज ने की और कहा कि डॉ. रमेशचन्द जैन नई दिल्ली ने जैन धर्म की मौलिक विशेषताएं पुस्तक लिखी है जिसे सभी विद्वानों को, समाजजनों को अवश्य पढ़ना चाहिए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, बुधवार 04 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्थापना दिवस पर जगदलपुर में दिखा नन्हे वैज्ञानिकों का हुनर

रेन डिटेक्टर मॉडल बना आकर्षण का केंद्र



जगदलपुर/ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26वें गौरवशाली वर्ष के पावन अवसर पर सोमवार, 2 नवंबर को जगदलपुर का ऐतिहासिक सिटी ग्राउंड अपार जन-उत्साह, उल्लास और गरिमा का साक्षी बना। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विशेष विज्ञान एवं नवाचार प्रदर्शनी में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने कई उपयोगी और विचारणीय मॉडल प्रस्तुत किए। इस प्रदर्शनी में बड़े मोरठपाल के प्रतिभावान बाल वैज्ञानिकों सूरज कश्यप और अनिरुद्ध मौर्य ने अपने शिक्षक विजय सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किए गए रेन डिटेक्टर मॉडल का प्रदर्शन किया, जो दर्शकों और अतिथियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। मॉडल की कार्यप्रणाली साझा करते हुए बताया गया कि यह नवाचार आम नागरिकों और कामकाजी लोगों की उस आम समस्या का समाधान करता है, जहां वे धूप में कपड़े सुखाकर चले जाते हैं और अचानक बारिश होने पर कपड़े भीग जाते हैं। इस ऑटोमैटिक सिस्टम में लगा सेंसर बारिश की बूंदों को भांपते ही कपड़ों को स्वतः छांव में खींच लेता है और वर्षा बंद होकर धूप निकलते ही उन्हें पुनः धूप में ले आता है, जिससे वे सही समय पर सूख सकें। यह तकनीक घरेलू उपयोग के साथ-साथ किसानों के लिए भी एक वरदान साबित हो सकती है। खलिहानों में धान की मिंजाई के बाद जब फसल खुले में सुखाई जाती है, तब अप्रत्याशित बारिश से भारी बर्बादी होती है, जिसे इस सेंसर-आधारित स्वचालित शेड के जरिए पूरी तरह रोका जा सकता है। इसके अलावा, अधिक पानी से खराब होने वाली नाजुक फसलों के संरक्षण में भी यह तकनीक बेहद उपयोगी है। शिक्षक विजय सिन्हा के मार्गदर्शन में बाल वैज्ञानिक सूरज कश्यप और अनिरुद्ध मौर्य द्वारा प्रस्तुत इस नवाचार की उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों और आम नागरिकों ने मुक्तकंठ से सराहना की।

बस्तर में यात्री ट्रेन सेवा 38 दिनों बाद बहाल हुआ



जगदलपुर। बस्तर में यात्री ट्रेन सेवा को 38 दिनों बाद आखिरकार फिर से बहाल कर दिया गया है। केके रेललाइन पर लैंड स्लाइड की घटना हुई थी, जिसके बाद 03 यात्री ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और 02 यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया था। शॉर्ट टर्मिनेट की गई किरंदुल-विशाखापट्टनम पैसेंजर, जगदलपुर से भुवनेश्वर के बीच चलने वाली हीराखंड एक्सप्रेस और जगदलपुर से हावड़ा के बीच चलने वाली समलेश्वरी एक्सप्रेस को सोमवार को बहाल कर दिया गया है.। इसके साथ रद्द की गई दो यात्री ट्रेनों जगदलपुर-राउरकेला एक्सप्रेस और किरंदुल-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस को जल्द शुरू किए जाने की संभावना है। लंबे समय से रेल सेवाएं बंद होने के कारण परेशान यात्रियों को अब बड़ी राहत मिलेगी। 23 सितंबर को आई बाढ़ और भूस्खलन से करीब 03 किलोमीटर रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे रेल यातायात पूरी तरह से ठप्प हो गया था।

गांधी मैदान से पुलिस ग्राउंड पहुंचा राज्योत्सव, लेकिन नहीं जुटे दर्शक!

आयोजन स्थल बदलने का फैसला पड़ा भारी, कार्यक्रम शुरू होने के बाद भी खाली पड़ी रहीं कुर्सियां, बेरुखी ने खोली प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल



गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस यानी राज्योत्सव प्रदेशवासियों के लिए गौरव,स्वाभिमान और उत्साह का पर्व है। मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ के पृथक राज्य बनने की याद में हर साल आयोजित होने वाले इस उत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह रहता है।लेकिन गरियाबंद जिला मुख्यालय में इस बार राज्योत्सव का नजारा कुछ अलग ही दिखाई दिया।गांधी मैदान जैसे नगर के हृदय स्थल को छोड़कर पुलिस ग्राउंड में आयोजन कराने का निर्णय ऐसा साबित हुआ कि मंच पर कार्यक्रम चलता रहा और सामने दर्शकों के लिए लगाई गई कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। आयोजन शुरू होने के बाद भी अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई।ऐसे में सवाल उठने लगा है कि आखिर राज्योत्सव को आम जनता से दूर करने की जरूरत क्यों पड़ी?

स्थान बदला तो जनता ने भी बनाई दूरी,,,,,,,,पिछले वर्षों में राज्योत्सव का आयोजन गांधी मैदान में होता था।नगर के बीचों बीच स्थित होने के कारण राह चलते लोग भी कार्यक्रम देखने पहुंच जाते थे। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोग भी उत्साह के साथ आयोजन में शामिल होते थे।लेकिन इस बार पुलिस ग्राउंड में आयोजन होने से आम लोगों की सहज पहुंच प्रभावित हुई।नगर से करीब एक किलोमीटर दूर आयोजन स्थल होने के साथ रास्ते में पर्याप्त रोशनी का अभाव भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बना।नतीजा यह रहा कि जिस आयोजन में पहले जनसैलाब नजर आता था, वहां इस बार खाली कुर्सियां प्रशासनिक तैयारियों और आयोजन की रणनीति पर सवाल खड़े करती रहीं।

पंद्रह दिन पहले से रहता था इंतजार,अब क्यों नहीं दिखा उत्साह?,,,,,,,,कभी राज्योत्सव का नाम सुनते ही अधिकारी कर्मचारियों से लेकर आम नागरिकों और ग्रामीणों तक में उत्सुकता दिखाई देती थी। आयोजन की तैयारियां कई दिन पहले शुरू हो जाती थीं और लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का इंतजार करते थे। लेकिन इस बार आयोजन को लेकर वैसा उत्साह नजर नहीं आया। सवाल यह भी है कि क्या केवल आयोजन स्थल बदलने से भीड़ कम हुई या फिर प्रशासनिक कार्यप्रणाली और विकास कार्यों को लेकर आम जनता में बढ़ती नाराजगी भी इसकी एक वजह है?

एक तरफ राज्योत्सव, दूसरी तरफ हड़ताल; व्यवस्था पर उठे सवाल,,,,,,राज्योत्सव के दिन ही सरपंच संघ अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर रहा।वहीं कार्यक्रम से जुड़े पटवारी भी हड़ताल पर होने के कारण प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर चर्चाएं होती रहीं। एक ओर सरकार राज्य स्थापना दिवस को उत्सव के रूप में मनाने में जुटी थी,वहीं दूसरी ओर पंचायतों के जनप्रतिनिधि और कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे थे। इस विरोधाभासी स्थिति ने भी कई सवाल खड़े किए।लोगों के बीच यह चर्चा रही कि जब कर्मचारी और पंचायतों के जिम्मेदार जनप्रतिनिधि ही अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, तो शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर आखिर क्या संदेश जा रहा है?

खाली कुर्सियां दे गई बड़ा संदेश!,,,,,,,,राज्योत्सव केवल मंच, रोशनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता की भागीदारी और प्रदेश के प्रति गौरव की भावना का उत्सव है।ऐसे आयोजन की सफलता का पैमाना केवल मंच पर होने वाले कार्यक्रम नहीं,बल्कि उसमें शामिल होने वाली जनता भी होती है।गरियाबंद में इस बार खाली कुर्सियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए। क्या प्रशासन ने आयोजन स्थल तय करते समय आम जनता की सुविधा और पहुंच का ध्यान नहीं रखा? क्या जनता की नाराजगी और क्षेत्र में विकास की अपेक्षाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है? ये सवाल अब चर्चा का विषय बने हुए हैं।

राज्योत्सव के इस फीके आयोजन ने एक बात जरूर स्पष्ट कर दी कि जनता को केवल मनोरंजन के कार्यक्रमों से जोड़कर नहीं रखा जा सकता।उसे अपने क्षेत्र में विकास,बेहतर सुविधाएं और समस्याओं का समाधान भी चाहिए।यदि जनता की भागीदारी सुनिश्चित करनी है तो प्रशासन को केवल आयोजन की भव्यता नहीं,बल्कि जनता की भावनाओं और सुविधाओं को भी प्राथमिकता देनी होगी। वरना मंच पर रोशनी होती रहेगी और सामने कुर्सियां खाली रह जाएंगी।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर रणबीर शर्मा ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा



राजस्व प्रकरणों का समय पर निराकरण करने और धान खरीदी की तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश

गरियाबंद (विश्व परिवार)। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने और पेंडेंसी कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का निराकरण नियमानुसार और उचित कारणों के आधार पर किया जाए।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने विभाग की योजनाओं और कार्यों की अद्यतन जानकारी के साथ पूरी तैयारी रखने को कहा। उन्होंने भू-अर्जन के प्रकरणों की नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत निर्धारित संकेतकों की शत-प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने को कहा।कलेक्टर ने आगामी जनजातीय गौरव दिवस 2026 के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाने, चित्रकला सहित अन्य गतिविधियों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।उन्होंने छात्रवृत्ति,पीएम जनमन,पीवीटीजी सहित जनजातीय विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ देने को कहा। कलेक्टर ने स्कूलों में साफ-सफाई और विशेष रूप से शौचालयों की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक निर्धारित समय पर स्कूल पहुंचें और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी केंद्रों में सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि किसानों को आसानी से अपनी उपज बेचने का अवसर मिले।कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर,अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे,श्रीमती ऋचा ठाकुर सहित जिले के सभी अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर फाइटर भर्ती में कम पदों को लेकर युवाओं में नाराजगी, सैकड़ों अभ्यर्थियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

बस्तर जिले के लिए केवल 79 पद निर्धारित करने पर उठाए सवाल, अन्य जिलों की तर्ज पर पदों की संख्या बढ़ाने की मांग



जगदलपुर। बस्तर फाइटर भर्ती में बस्तर जिले के लिए मात्र 79 पद निर्धारित किए जाने को लेकर युवाओं में नाराजगी देखने को मिल रही है। भर्ती में पदों की कम संख्या से असंतुष्ट सैकड़ों युवाओं ने जगदलपुर स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शासन के नाम ज्ञापन सौंपा और जिले में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने पहुंचे युवाओं का कहना है कि बस्तर जिले में हजारों की संख्या में बेरोजगार युवा भर्ती की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में जिले के लिए केवल 79 पद निर्धारित किए जाने से बड़ी संख्या में योग्य अभ्यर्थियों को अवसर से वंचित होना पड़ सकता है। युवाओं ने कहा कि दूसरे जिलों में अपेक्षाकृत अधिक पद निर्धारित किए गए हैं, जबकि बस्तर जिले में भी बेरोजगार युवाओं की संख्या काफी अधिक है।

अभ्यर्थियों ने शासन से मांग की है कि बस्तर जिले की बेरोजगारी और युवाओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए बस्तर फाइटर भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि अधिक से अधिक स्थानीय युवाओं को रोजगार का अवसर मिल सके। युवाओं ने उम्मीद जताई कि शासन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित निर्णय लेगा।

राज्योत्सव के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले

जिले के 27 अधिकारी-कर्मचारियों को किया गया सम्मानित



गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव के अवसर पर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले जिले के 27 अधिकारी कर्मचारियों को कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं, जिन्होंने शासकीय दायित्वों के निर्वहन, आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा विभागीय कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

इनमें लोकसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए अपर कलेक्टर ऋचा ठाकुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन अभियंता विप्लव धृतलहरे, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता रामेश्वर सिंह, जिला परिवहन अधिकारी युगेश्वरी वर्मा, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी कविता फाफड़े,अभिहित अधिकारी ज्योति भानू,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गरियाबंद नम्रता शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी गरियाबंद संध्या वर्मा को सम्मानित किया गया। वानिकी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ओढ़ में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हॉर्नबिल ट्रैकर भगवान यादव,उप वन क्षेत्रपाल परिक्षेत्र सहायक फिंगेश्वर मनीष कुमार वर्मा,वनरक्षक परिसर रक्षक छिन्दौला गुंजा ध्रुव, वनरक्षक इंदागांव परिक्षेत्र देवभोग लम्बोदर सोरी, वन चौकीदार तौरेंगा रेंज उदेराम यादव एवं दीपक निर्मलकर को सम्मानित किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए जुगाड़ की सहायक शिक्षक सोनाली मड़ामे, छुरा के एकलव्य आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा के अंकिता मौर्य एवं मयंक यादव को सम्मानित किया गया। वहीं शासकीय कार्यों के बेहतर निष्पादन के लिए जनगणना लिपिक एवं सहायक ग्रेड-2 पुन्नी साहू तथा भू-अभिलेख के डाटा एंट्री ऑपरेटर भूपेन्द्र सोनकर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। पुलिसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए साइबर सेल गरियाबंद के निरीक्षक शिवशंकर हुर्रा,देवभोग थाना प्रभारी एवं प्रशिक्षु उपनिरीक्षक दिव्या पैकरा,डीसीबी शाखा प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक दुकनलाल नवरत्न,एसआरसी शाखा प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक हलधर प्रसाद साहू,सीसीटीएनएस शाखा के आरक्षक विरेंद्र कुमार सिन्हा एवं फिंगरप्रिंट शाखा के आरक्षक खिलेश सोनी को सम्मानित किया गया।इसी प्रकार निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए निर्वाचन शाखा के सहायक प्रोग्रामर गिरिश चंद्राकर एवं नगर सैनिक तथा हारमोनियम वादक योगेश्वर खापर्डे को सम्मानित किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : सशक्त नारी, युवा उड़ान के संकल्प के साथ जगदलपुर में गूंजा विकास का शंखनाद

राज्य निर्माण के प्रणेता भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान अविस्मरणीय- विधायक किरण देव

2031 तक विकसित बस्तर का लक्ष्य

जगदलपुर/ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वें गौरवशाली वर्ष के अवसर पर जगदलपुर का ऐतिहासिक सिटी ग्राउंड अपार जन-उत्साह और गरिमा का साक्षी बना। सशक्त नारी, युवा उड़ान की केंद्रीय थीम पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव 2026 में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों ने मिलकर बस्तर को संघर्ष के दौर से बाहर निकालकर स्थायी समृद्धि की ओर ले जाने का दृढ़ संकल्प दोहराया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव ने राज्य निर्माण के प्रणेता भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का स्मरण करते हुए कहा कि श्री बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ वासियों के सरल स्वभाव और जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बिना किसी बड़े संघर्ष के इस राज्य की सौगात दी थी।

विधायक श्री देव ने प्रदेश के विकास को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की है, वहीं 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में हर माह 1000 रुपए भेजकर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए जगदलपुर में 24 घंटे संचालित होने वाली नालंदा परिसर जैसी आधुनिक अध्ययन सुविधाएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में युवाओं के लिए सहायक साबित होगी। इसके साथ ही धुरवा जनजाति बहुल क्षेत्र धुड़मारास के हेरिटेज विलेज चयन, होम-स्टे और पर्यटन कॉरिडोर के विकास से स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।



राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिक निगम जगदलपुर के महापौर श्री संजय पाण्डे ने नारी शक्ति और युवा ऊर्जा को नए बस्तर के निर्माण का सबसे सशक्त आधार बताया। भारतीय संस्कृति के यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दशकों तक माओवाद हिंसा का दंश झेलने वाला यह अंचल अब पूरी तरह भयमुक्त होकर शांति और विकास के नए आयाम की ओर अग्रसर है। आज बस्तर की बेटियां देश की सीमाओं की रक्षा से लेकर खेल के मैदानों, नवाचार, स्टार्टअप और डिजिटल इंडिया के मंचों पर तिरंगे का मान बढ़ा रही हैं। महापौर ने रेखांकित किया कि बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसी पहलों ने स्थानीय प्रतिभाओं को नई पहचान दी है, जिससे आज का युवा नौकरी तलाशने वाले के स्थान पर अपने कौशल और तकनीक के बल पर रोजगार प्रदाता बनकर उभर रहा है।

इससे पूर्व स्वागत उद्बोधन में बस्तर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने जिले की विकास यात्रा को रेखांकित करते बताया कि सुरक्षा बलों के सर्वोच्च बलिदान और जनसहयोग के फलस्वरूप 31 मार्च 2026 को बस्तर क्षेत्र का माओवाद मुक्त होना एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ है, जिसके बाद प्रशासन का पूरा ध्यान शांति और त्वरित विकास में बदलने पर केंद्रित है। बुनियादी ढांचे की प्रगति का ब्योरा देते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 8,700 करोड़ रुपए की लागत से अंदरूनी क्षेत्रों तक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। गीदम-भोपालपटनम फोरलेन कॉरिडोर और अंतागढ़-जगदलपुर रेल परियोजना पर कार्य तेज गति से जारी है, जबकि राजधानी रायपुर और हैदराबाद के लिए नियमित हवाई सेवाएं क्षेत्र को नई गति दे रही हैं। इसके अलावा बस्तर मवा अभियान, पूना नर्कोम, 10,000 से अधिक देवगुड़ी व मातागुड़ी स्थलों का संरक्षण और मेडिकल कॉलेज व सुपर स्पेशलिटी अस्पताल जैसी अधोसंरचनाएं बस्तर के जीवन स्तर को लगातार उन्नत कर रही हैं। साथ ही देऊरगांव एवं मटनार सिंचाई परियोजना से बस्तर में कृषि को एक नई दिशा मिलेगी। कलेक्टर ने वर्ष 2031 तक बस्तर के प्रत्येक गांव को सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल सेवाओं से परिपूर्ण कर इसे पूर्णतः विकसित अंचल बनाने का संकल्प दोहराया। इस समारोह के दौरान अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का तन्मयता के साथ अवलोकन कर आम जनता से जनहितकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस मौके पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, भूमि स्वामित्व दस्तावेज सहित अन्य सहायता प्रदान किया गया। वहीं बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी के दर्शन हेतु जाने वाले श्रद्धालुओं हेतु संचालित पदयात्री सेवा केन्द्र में विभिन्न व्यवस्था सुनिश्चित करने वाले समाजसेवी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के अलावा गणमान्य नागरिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली बच्चों तथा पारम्परिक लोक कलाकरों को पुरूस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया। इस गरिमामय अवसर पर नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी श्री बद्रीनारायण मीणा, जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय खन्ना समेत जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 04 नवम्बर 2026

विधायक बोहरा ने दामापुर में किया उप तहसील कार्यालय का शुभारंभ

■ 46.96 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भी किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन



पंडरिया (विश्व परिवार)। विधानसभा क्षेत्र के विकास और आमजन को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम दामापुर में उप तहसील कार्यालय (लिंक कोर्ट) का शुभारंभ किया। इस कार्यालय के प्रारंभ होने से दामापुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्हें अपने नजदीक ही राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ मिल सकेगा, जिससे समय, धन और श्रम की बचत होगी। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने 46 लाख 96 हजार की कुल लागत से हाई स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, आदिवासी बालक आश्रम माध्यमिक शाला भवन, रंगमंच, सामुदायिक भवन का लोकार्पण एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आहता निर्माण तथा सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

उप तहसील (लिंक कोर्ट) कार्यालय प्रारंभ होने से क्षेत्र के किसानों, ग्रामीणों और आम नागरिकों को राजस्व संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलेगी। अब ग्रामीणों को नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, भूमि संबंधी अभिलेखों एवं राजस्व प्रकरणों से जुड़े कार्यों के लिए अधिक दूरी तय करने की परेशानी से राहत मिलेगी। इसके साथ ही राजस्व प्रकरणों की सुनवाई, प्रशासनिक कार्यों के निराकरण और शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रक्रियाओं में भी लोगों को सुविधा प्राप्त होगी। स्थानीय स्तर पर कार्यालय उपलब्ध होने से प्रशासन और आमजन के बीच संपर्क बेहतर होगा तथा नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में भी सहूलियत मिलेगी।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा के प्रत्येक क्षेत्र में विकास के साथ-साथ जनसुविधाओं का विस्तार करना हमारी प्राथमिकता है। दामापुर में उप तहसील कार्यालय का शुभारंभ केवल एक प्रशासनिक कार्यालय की शुरुआत नहीं, बल्कि क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को उनके घर के नजदीक सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब किसानों, बुजुर्गों, महिलाओं और आम नागरिकों को छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए दूर जाना नहीं पड़ेगा। उनका समय और श्रम की बचत होगी तथा उन्हें अपने क्षेत्र में ही प्रशासनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि शासन की योजनाओं और प्रशासनिक सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सरलता और सहजता से पहुँचे। इसी सोच के साथ पंडरिया विधानसभा के शहरी, ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ प्रशासनिक सुविधाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन भाजपा सरकार सुशासन, जनकल्याण और सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी की सरकार में गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं को केंद्र में रखकर योजनाओं एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार की मंशा है कि विकास और सुविधाओं का लाभ केवल शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि सुदूर ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचे।

भावना बोहरा ने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से पंडरिया विधानसभा में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। हमारा संकल्प है कि पंडरिया का कोई भी गांव बुनियादी सुविधाओं और विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार करना और उनके जीवन को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाना ही हमारा उद्देश्य है। आज लगभग 46 लाख से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया गया है।

जीके इलेक्ट्रिक की नवरात्रि स्क्रैच एंड विन योजना में रायगढ़ के ग्राहक ने जीती होंडा एक्टिवा

■ इस योजना में हर खरीद पर उपहार, ग्राहकों को मिल रहे टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे आकर्षक इनाम



रायगढ़ (विश्व परिवार)। त्योहारी खुशियों के बीच जीके इलेक्ट्रिक की ग्राहक संतोषी यादव के लिए इस बार की खरीदारी यादगार बन गई। रायगढ़ स्थित जीके इलेक्ट्रिक की अधिकृत डीलरशिप अमर ईवी से इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर खरीदने वाली संतोषी यादव ने कंपनी की नवरात्रि स्क्रैच एंड विन योजना के तहत होंडा एक्टिवा जीती है।

जीके इलेक्ट्रिक ने नवरात्रि के अवसर पर अपने ग्राहकों के लिए यह विशेष योजना शुरू की थी, जिसे ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए अब दीपावली तक बढ़ा दिया गया है। इस योजना के तहत कंपनी के सभी डीलरशिप पर वाहन खरीदने वाले प्रत्येक ग्राहक को निश्चित उपहार दिया जा रहा है। इसके साथ ही ग्राहकों को टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर सहित कई आकर्षक इनाम जीतने का मौका भी मिल रहा है।

रायगढ़ की संतोषी यादव को मिली होंडा एक्टिवा इसी योजना का एक खास आकर्षण है। अलग-अलग डीलरशिप पर ग्राहकों को मिल रहे इनामों से इस अभियान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

जीके इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री पुनीत परवानी ने कहा, हमारे लिए यह अभियान केवल वाहन की बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि उन ग्राहकों के विश्वास और जुड़ाव का उत्सव है, जिन्होंने जीके इलेक्ट्रिक को इस मुकाम तक पहुंचाया है। बहुत कम समय में 6,000 वाहनों के आंकड़े की ओर बढ़ना हमारे लिए गर्व की बात है। नवरात्रि से दीपावली तक चलने वाली यह योजना ग्राहकों के प्रति हमारा आभार व्यक्त करने का एक छोटा-सा प्रयास है। हम चाहते हैं कि इस त्योहारी सीजन में जीके इलेक्ट्रिक से जुड़ने वाला हर ग्राहक कुछ खास लेकर जाए।

जीके इलेक्ट्रिक के बारे में

रायपुर स्थित जीके इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स की निर्माता कंपनी है और छह दशकों की विरासत वाले जीके ग्रुप का हिस्सा है। छत्तीसगढ़ में प्रमुख ईवी ब्रांड के रूप में पहचान बनाने के बाद कंपनी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अपना विस्तार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले समय में देशभर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराना है।

EPFO क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 'स्थापना दिवस'



■ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी शाम

रायपुर (विश्व परिवार)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा संगठन का 'स्थापना दिवस' अत्यंत भव्यता, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक और गौरवशाली अवसर को यादगार बनाने के लिए कार्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों, जन-जागरूकता अभियानों और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस समारोह के मुख्य आकर्षण और प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार रहीं:

■ **आकर्षक साज-सज्जा और प्रकाश व्यवस्था:** स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर को विशेष रूप से सजाया गया था। कार्यालय के विभिन्न हिस्सों में आकर्षक साज-सज्जा की गई तथा रात्रि के समय पूरे परिसर में झिलमिलाती लाइटिंग (प्रकाश) की विशेष व्यवस्था की गई।

■ **बैनर के माध्यम से जन-जागरूकता:** कार्यालय परिसर के प्रमुख और विभिन्न स्थानों पर सूचनात्मक बैनर प्रदर्शित किए गए। इन बैनरों के माध्यम से कार्यालय आने वाले सम्मानित अंशधारकों और आगंतुकों को संगठन के स्थापना दिवस तथा इसकी गौरवशाली यात्रा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

■ **भव्य सांस्कृतिक संध्या (30.10.2026):** समारोह के अंतर्गत दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को कार्यालय द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पारिवारिक उत्सव में कार्यालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को आमंत्रित किया गया था।

■ **कर्मचारियों और परिजनों की शानदार प्रस्तुतियां:** सांस्कृतिक कार्यक्रम में कार्यालयीन स्टाफ और उनके पारिवारिक सदस्यों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। मंच पर उनके द्वारा दी गई बेहतरीन और मनमोहक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया।

■ **प्रतिभाओं का सम्मान और पुरस्कार वितरण:** इस गरिमामयी कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 श्री जयवदन इंगले द्वारा की गई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि श्री ज्यवदन इंगले ने सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा, ऊर्जा और प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

■ **25 जिलों में व्यापक प्रचार-प्रसार:** स्थापना दिवस के इस हर्ष और संदेश को पूरे प्रदेश में पहुँचाने के लिए, माह अक्टूबर 2026 में राज्य के 25 जिलों में आयोजित किए गए जिला स्तरीय नान-कैंप (निधि आपके निकट) कार्यक्रमों में भी बैनर के माध्यम से संगठन के स्थापना दिवस की जानकारी को प्रमुखता से प्रदर्शित और प्रसारित किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर का यह सफल आयोजन न केवल संगठन के प्रति गौरव की भावना को प्रदर्शित करता है, बल्कि विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच आपसी सौहार्द, एकता और टीम भावना को भी सुदृढ़ करता है।

राज्योत्सव में स्वच्छता दीदियों की 'कबाड़ से जुगाड़' प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

■ 'कांतारा फिल्म की झांकी ने खींचा नागरिकों का ध्यान, प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव ने की सराहना'



राजनांदगांव (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव 2026 में नगर पालिक निगम राजनांदगांव का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। निगम की स्वच्छता दीदियों ने 'कबाड़ से जुगाड़' की थीम पर अनुपयोगी वस्तुओं से आकर्षक कलाकृतियां और झांकी तैयार कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रदर्शनी में कांतारा फिल्म की झांकी विशेष आकर्षण रही, जिसे देखने के लिए बडी संख्या में जिले वासियो की सहभागिता रही। राज्योत्सव में विभिन्न स्टॉलों के अवलोकन के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव ने नगर निगम के इस नवाचार की सराहना की।

स्वच्छता दीदियों द्वारा तैयार प्रदर्शनी में बेकार और अनुपयोगी वस्तुओं का रचनात्मक उपयोग कर उन्हें आकर्षक कलाकृतियों का रूप दिया गया। इसके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जिसे हम कचरा समझकर फेंक देते हैं, उसका भी बेहतर उपयोग किया जा सकता है। स्वच्छता दीदीयो द्वारा कांतारा की झाकी बनाने में वेस्ट गुड़िया काटुन, बाटल, थरमाकोल, फूल, गजरा का उपयोग किया गया था। इसी प्रकार वेस्ट बाटल, डिब्बा आदि से छत्तीसगढ महतारी सहित टॉय बाईसिकल, डोरेमोन, जिराफ़ शेर, मगरमच्छ, केकड़ा आदि आकर्षक खिलोने बनाए गये थे। प्रदर्शनी के जरिए वेस्ट टू आर्ट, रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल की अवधारणा को फलीभूत किया गया। साथ ही नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक का उपयोग नही करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हुए शहर को स्वच्छ सुंदर, पर्यावरण अनुकुल प्लास्टिक फ्री बनाने का संदेश दिया गया।

कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार बैडमिंटन महिला व पूरूष प्रतियोगिता का आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार में परिक्षेत्र स्तरीय बैडमिंटन (म/पु) प्रतियोगिता आयोजन दिनांक 02 एवं 03 अक्टूबर को इंडोर स्टेडियम बलौदाबाजार में किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कल्पना उपाध्याय एवं विशिष्ट अतिथि डॉ अशोक उपाध्याय के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया डॉ अशोक उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में सभी खिलाड़ियों को शुभाकांनाए देते हुए कड़ी मेहनत एवं खेल भावना से खेलने के लिए कहा तत्पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कल्पना उपाध्याय ने कहा की महिला खिलाड़ियों को बहुत कम खेलने हेतु बाहर जाने का मौका मिलता है और यहाँ उपस्थित सभी महिला खिलाड़ियों को जो मौका मिला है उसका अच्छे से फायदा उठाए और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें साथ ही उन्होंने कहा की खेल में हार जीत लगा रहता है और अच्छा खिलाड़ी हार के बाद भी खेलना नहीं छोड़ता इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में 14 एवं महिला वर्ग में 09 महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने भाग लिया।



पहला मैच कोहकाएवं पिथौरा में कोहका, द्वितीय मैच पीजी महासमुंदएवं मिनीमाता बलौदाबाजार में मिनीमाता बलौदाबाजार, तृतीय मैच जी एन ए भाटापाराएवं लॉ भाटापारा में जी एन ए भाटापारा चौथा मैच डी के कॉलेज बलौदाबाजार एवं सरायपाली में डी के कॉलेज बलौदाबाजार पंचवा मैच मिनीमाता बलौदाबाजारएवं प्रथम सेमीफाइनल कोहका में मिनीमाता बलौदाबाजार छठवाँ मैच मैच डी के कॉलेज बलौदाबाजार एवं द्वितीय सेमीफाइनल जी एन ए भाटापारा में डी के कॉलेज बलौदाबाजार।

बस्तर में स्थानीय अवकाश में फेरबदल

जगदलपुर। बस्तर जिले में स्थानीय अवकाश को लेकर जिला प्रशासन ने एक संशोधित आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार जिले में पूर्व निर्धारित स्थानीय अवकाश की तारीख में बदलाव करते हुए अब 20 नवंबर को अवकाश घोषित किया गया है। पूर्व में जिला प्रशासन ने 11 फरवरी 2026 के एक आदेश के माध्यम से 9 नवंबर 2026 (सोमवार) को गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में स्थानीय अवकाश देने का निर्णय लिया था। हालांकि राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत 09 नवंबर को पहले ही पूरे राज्य में गोवर्धन पूजा का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर 09 नवंबर को दिए गए स्थानीय अवकाश को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

अंतर महाविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में PRSU की पुरुष टीम बनी चैंपियन



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रगति महाविद्यालय द्वारा पुलिस लाइन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रायपुर में दिनांक 02 से 03 नवंबर 2026 तक आयोजित अंतर महाविद्यालयीन महिला एवं पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता में ञ्ज्ञष्ठ, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की पुरुष टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

UTD, PRSU रायपुर की टीम के कोच राहुल कुमार पासवान रहे। UTD, PRSU रायपुर की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला, कुलसचिव डॉ. नरेंद्र वर्मा, डायरेक्टरेट ऑफ फिजिकल एजुकेशन की प्रो. रीता वेणुगोपाल, स्कूल ऑफ स्टडीज इन फिजिकल एजुकेशन के विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव चौधरी तथा डॉ. सी. डी. अगासे सहित विश्वविद्यालय परिवार ने टीम, कोच एवं खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अमित शाह का संकल्प, बस्तर जैसे नक्सल मुक्त हुआ वैसे ही देश नशा मुक्त होगा : अनुराग

■ नशे की व्यापार से कमाई संपत्ति जब्त



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग अग्रवाल ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी के नशा मुक्त भारत के संकल्प का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने स्पष्ट लक्ष्य रखा है कि 2029 तक देश को नशा मुक्त बनाना है। जिस दृढ़ इच्छाशक्ति से केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने बस्तर को नक्सल मुक्त करने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है, उसी प्रकार देश को नशा मुक्त करने का लक्ष्य भी अवश्य पूरा होगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री अग्रवाल ने कहा कि नक्सलवाद की तरह ही नशा भी युवा पीढ़ी और देश के भविष्य के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है। नक्सलवाद बंदूक से मारता है और नशा धीरे-धीरे पूरे परिवार और समाज को खोखला करता है। भाजपा सरकार नक्सलवाद पर जैसे सर्जिकल प्रहार कर रही है, वैसे ही नारकोटिक्स के पूरे नेटवर्क पर भी प्रहार किया जा रहा है।

भाजपा प्रवक्ता श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में और गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में NCB और सभी एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की सरकार नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत, विकसित भारत के संकल्प की पहली शर्त है और 2029 तक यह लक्ष्य पूरा होकर रहेगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री अग्रवाल ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के नेतृत्व में जिस तरह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जी ने योजनाबद्ध तरीके से नक्सलवाद पर प्रहार किया है।

बस्तर ओलम्पिक में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे कमिश्नर डोमन सिंह

■ बकावंड में विभिन्न खेल स्पर्धाओं के प्रतिभागियों से किया संवाद, विजेता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित



जगदलपुर (विश्व परिवार)। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने मंगलवार को बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड मुख्यालय में आयोजित विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलम्पिक प्रतियोगिता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग ले रहे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

कमिश्नर श्री सिंह ने बालक जूनियर वर्ग एवं बालिका जूनियर वर्ग की ऊंची कूद स्पर्धा के प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे आत्मविश्वास और समर्पण के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी तरह बालिका जूनियर वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता के अंतर्गत करीतगांव एवं करपावंड की टीमों के बीच आयोजित मुकाबले के खिलाड़ियों से भी परिचय प्राप्त किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने बालिका जूनियर वर्ग लंबी कूद तथा गोला फेंक प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं ग्रामीण अंचलों की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को सामने लाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। बस्तर ओलम्पिक के माध्यम से गांवों के युवाओं और बालिकाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

खिलाड़ियों की सुविधाओं और सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम के निर्देश कमिश्नर श्री सिंह ने प्रतियोगिता स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए खिलाड़ियों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खेल स्पर्धा के अनुरूप मैदान और आवश्यक खेल उपकरणों की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। महिला खिलाड़ियों की सुविधा के लिए पृथक चेंजिंग रूम तथा खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने आयोजन स्थल पर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, एंबुलेंस और चिकित्सा दल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि प्रतियोगिता के दौरान किसी खिलाड़ी को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए, पेयजल, जलपान एवं भोजन की समुचित व्यवस्था करने पर भी जोर दिया।

कमिश्नर ने इन सभी व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए अलग-अलग अधिकारियों को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपने तथा प्रत्येक व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक का आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। इसलिए आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और खिलाड़ियों के लिए सुविधाजनक बनाया जाना चाहिए। इस दौरान जिला पंचायत खेल एवं युवा कल्याण समिति के सभापति श्री वनवासी मौर्य एवं क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि और एसडीएम श्री अमित बेक, तहसीलदार जागेश्वरी पोयाम, सीईओ जनपद पंचायत श्वेता साहू समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी युवाओं के साथ ही खेलप्रेमी गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नगरीय निकाय चुनाव में बनेगी भाजपा की सरकार: पाण्डेय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने आगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर कहा है कि पंचायत स्तर और पार्षद से लेकर पार्लियामेंट तक अंत्योदय का भाव जन-जन तक पहुँचे, यह भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली और रीति-नीति रही है। वार्ड पार्षद विकास की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। जिस प्रकार पंचायतें ग्रामीण विकास का जरिया बनती हैं, ठीक उसी तरह नगर निगम और नगर पालिकाएँ शहरों के सर्वांगीण विकास का माध्यम हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
No. 110 - 06 - पीयू पेंटिंग - आरएसपी दिनांक: 31.10.2026 भारत के राष्ट्रपति के लिए एवम उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी. एल.एस. रायपुर की जरिये निम्न लिखित निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना क्रमांक: 110/ 06/ पीयूपेंटिंग - आरएसपी Date: 31.10.2026 कार्य का नाम: डीजल लोको शेड, रायपुर के डब्ल्यूएजी 7 पारंपरिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव और एचएचपी लोकोमोटिव की पीयू (पॉलीयूरेथेन) पेंटिंग। निविदा मूल्य: ₹36,12,742.86/- अग्रिम धन राशि: ₹72,300/- निविदा दस्तावेज की लागत: शून्य। निविदा और समय की समाप्ति तिथि: 11:00 Hrs. on 25.11.2026 निविदा आमंत्रित करने वाला प्राधिकरण: वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी.एल. एस. रायपुर/ द.पू. म.रे. इस निविदा के खिलाफ मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस तरह के किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के लिए पूर्ण विवरण, कृपया Sr. DME (D)/ DLS/ SECR/ रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें या डाउनलोड करें।
मंडल विद्युत इंजीनियर/ डीएलएस/ आर वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डी) डी.एल.एस. रायपुर के लिए
PR/R/SR.DME(DLS)/D360/254
South East Central Railway @secrail

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 04 नवम्बर 2026

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने इस दौरान प्राप्त आवेदनों का संवेदनदशीलता के साथ जांच करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम मोड़पाल निवासी पीलासिंग पोयाम ने सीसी रोड़ रोड़ की मांग की, ग्राम भोंगापाल निवासी रैनू राम सलाम ने खेल मैदान समतली करण की मांग की, ग्राम करण्डी निवासी रैसिंग मण्डावी एवं ग्राम खण्डाम निवासी रतिराम कोर्राम ने वनअधिकार पत्र की मांग की।

अमित शाह ने किया आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल का लोकार्पण

■ अब रायपुर में मिलेगी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं



रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को रायपुर के देवेंद्र नगर, पंडरी स्थित आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल का भव्य लोकार्पण किया। गुरुग्राम स्थित प्रतिष्ठित आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के विस्तार के रूप में स्थापित यह नया सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के लोगों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और उन्नत उपचार सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा रायपुर नगर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समारोह में आर्टेमिस हॉस्पिटल्स एवं अपोलो टायर्स लिमिटेड के चेयरमैन श्री ओंकार एस. कंवर, आर्टेमिस हॉस्पिटल्स की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. देवलीना चक्रवर्ती तथा आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. कमलेश अग्रवाल सहित वरिष्ठ चिकित्सक, अस्पताल के अधिकारी एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ को मिलेगी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के मरीजों को एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यहां हृदय रोग, न्यूरोसाइंस, कैंसर उपचार, हड्डी एवं जोड़ रोग, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, किडनी एवं यूरोलॉजी तथा क्रिटिकल केयर सहित विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी।

अस्पताल में आधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक आईसीयू, उच्च स्तरीय इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक सुविधाएं तथा 24 घंटे इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेवाओं की व्यवस्था की गई है। अस्पताल में 11 सेंटर ऑफएक्सीलेंस और 30 से अधिक चिकित्सा एवं सर्जिकल विशेषज्ञताओं के माध्यम से मरीजों को समग्र उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के चेयरमैन श्री ओंकार एस. कंवर ने कहा कि आर्टेमिस की स्थापना के पीछे हमारा मूल उद्देश्य प्रत्येक मरीज को संवेदनशीलता के साथ विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना रहा है। आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल के माध्यम से हम दिल्ली-एनसीआर से बाहर निकलकर मध्य भारत में अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। केंद्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग के लिए हम आभारी हैं। छत्तीसगढ़ के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है।

आर्टेमिस हॉस्पिटल्स की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. देवलीना चक्रवर्ती ने कहा कि अब तक छत्तीसगढ़ के अनेक मरीजों को बेहतर और उन्नत इलाज के लिए दूसरे शहरों की यात्रा करनी पड़ती थी। आर्टेमिस शांति हॉस्पिटल के शुरू होने से मरीजों को आधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों और विश्वस्तरीय चिकित्सा प्रक्रियाओं का लाभ अपने ही शहर में मिल सकेगा। हमारे लिए मरीज सर्वोपरि है और यही हमारी कार्यशैली का मूल आधार है।

सशक्त नारी, युवा उड़ान के संकल्प के साथ बंटी जनकल्याणकारी योजनाओं की सौगात

■ समारोह के मुख्य अतिथि जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव ने हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक वितरित किए



जगदलपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के उपलक्ष्य में 2 नवम्बर 2026 को जगदलपुर के ऐतिहासिक सिटी ग्राउंड में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का भव्य एवं गरिमामय आयोजन सशक्त नारी, युवा उड़ान की प्रेरणादायी थीम के तहत संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सहायता राशि के चेक, उपकरण और जरूरी सामग्रियां प्रदान कर लाभान्वित किया। इस मौके पर उन्होंने तीन हितग्राहियों को उनके अपने आशियाने की खुशियों की चाबी सौंपी और बारह पशु सखियों को विभागीय किट प्रदान कर उनके कार्यों को गति दी। कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में ग्राम तेलीमारेंगा के फार्म मशीनरी बैंक के हितग्राही श्री महादेव मौर्य को 14 लाख रुपये का चेक मंच से प्रदान किया गया।

समारोह में विभिन्न विभागों के माध्यम से समाज के हर वर्ग को संबल प्रदान करने का प्रयास प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती लक्ष्मी बघेल व श्रीमती मीना यादव, तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की लाभार्थी श्रीमती सुप्रिया कुमरेकर व श्रीमती मारथा दास को योजनाओं का लाभ सौंपा गया। इसी क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बालिकाओं सना कौसर, अक्षिता बाजपेयी, आरनशी गुप्ता, इच्छा झा, अनुषा यादव और मोनिका सोनी को भी मंच पर प्रोत्साहित व सम्मानित किया गया।

महादेव सट्टा एप के खिलाफ 72 एफआरआई भूपेश सरकार ने किया था : दीपक बैज

■ सौरभ चंद्राकर को भारत लाने का लुकआउट सर्कुलर जारी करने का अनुरोध कांग्रेस की सरकार ने किया था



रायपुर (विश्व परिवार)। महादेव सट्टा एप में सौरभ चंद्राकर को प्रत्यार्पण बहुत देरी से की गयी। बहुत छोटी कार्यवाही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महादेव सट्टा एप के सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाया जाना संभव हो सका तो उसके पीछे कांग्रेस की भूपेश सरकार के ठोस प्रयास है। महादेव सट्टा एप के खिलाफ पहली एफ्आईआर से लेकर 72 एफआईआर तक दर्ज करने की ठोस कार्यवाहियां कांग्रेस की सरकार ने किया था। 500 से अधिक जप्तियां और गिरफ्तारियां भी कांग्रेस की सरकार ने ही किया था। सौरभ चंद्राकर को तो लाया गया है लेकिन रवि उप्पल, शुभम सोनी को कब लाया जायेगा? महादेव सट्टा एप को गूगल प्ले पर से कांग्रेस की भूपेश सरकार के अनुरोध पर ही हटाया गया था। कांग्रेस की सरकार के समय ही रायपुर पुलिस की अर्जी पर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी हुआ था। गेमिंग एप के खिलाफ सख्त कानून भी कांग्रेस की भूपेश सरकार ने ही बनाया था। इसके पहले तो गेमिंग सट्टा एप के खिलाफ भारत में कोई कानून ही नहीं था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि महादेव सट्टा एप को लेकर भाजपा ने विधानसभा चुनाव के पहले खूब प्रोपेगंडा किया लेकिन डबल इंजन की सरकार के बाद भी पिछले 3 साल से महादेव सट्टा एप क्यों बंद नहीं हुआ? आज भी महादेव सट्टा एप के विज्ञापन सोशल मीडिया साइट्स पर उपलब्ध है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दिसंबर 2025 में महादेव एप मामले में तीन बड़े नाम सामने आए थे-प्रधानमंत्री के करीबी और पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी हीरेन जोशी, 23वें वित्त आयोग के सदस्य हितेश जैन और प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने किसके कहने पर इन लोगों ने महादेव सट्टा एप को संरक्षण दिया। भाजपा आर्थिक सेल के पूर्व संयोजक विकास गर्ग की भूमिका भी जगजाहिर है। विगत 3 वर्षों में महादेव सिंडिकेट में कई ऑनलाइन सट्टा पैनल सक्रिय है।

हमारी सरकार प्रदेश में लिख रही विकास की नई गाथा: सांसद अग्रवाल

■ जिला स्तरीय राज्योत्सव मे विकास एवं संस्कृति का दिखा अनुपम संगम



रायपुर/बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर जिला स्तरीय राज्योत्सव का रंगारंग आयोजन सोमवार को पंडित चक्रपाणी शुक्ल शासकीय हाई स्कूल मैदान में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित विशिष्ट अतिथियों के द्वारा भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रवलित कर राज्योत्सव का विधिवत शुभारम्भ किया गया।

राज्योत्सव में पीएम आवास योजना के तहत 10 हितग्राहियों को पीएम आवास की चाबी, राजस्व विभाग द्वारा 25 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 4 हितग्राहियों को चश्मा वितरण, कृषि विभाग द्वारा सरसों बीज 5 किसानों को, स्वाइल हेल्थ कार्ड 5 किसानों को, मत्स्य विभाग द्वारा 4 हितग्राहियों को जाल और आइस बॉक्स का वितरण, समाज कल्याण विभाग द्वारा 2 दिव्यांगों को व्हीलचेयर, वन विभाग द्वारा तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 1 हितग्राही को 2 लाख रुपये का चेकवितरित किया गया।इसके साथ ही बाढ़ राहत मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस बल, नेत्रदान दाताओ के परिजन एवं देहदान करने वालों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने राज्य स्थापना दिवस की 26 वीं वर्षगांठ की शुभकामनायें देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हैं। आज हम अपने नाम के साथ छत्तीसगढ़ राज्य बड़े गर्व के साथ लिखते हैं और उसका श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहरी बाजपेयी को जाता है।हिंदुस्तान मे छत्तीसगढ़ सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व मे छत्तीसगढ़ सरकार किसान, महिला और युवाओं की तरक्की व प्रदेश मे विकास की नई गाथा लिख रही है।प्रदेश के साथ बलौदाबाजार- भाटापारा जिले को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाने मे सबकी सहभागिता जरुरी है। उन्होंने कहा कि अब जल्द ही रायपुर से बलौदाबाजार-सारंगढ़ तक फोरलेन सड़क बन जाएगा जिससे आवागमन सुगम होगी, आज जिले के गांव-गांव मे सड़क, पानी, बिजली, स्कूल व अस्पताल खुल गए हैं जो विकास की दास्तां बयां कर रहे हैं।

राज्यपाल द्वारा रेंजर विभूति वर्मा को मिला छत्तीसगढ़ का प्रतिष्ठित 'सर्वश्रेष्ठ रेंजर अवॉर्ड-2026'



रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक), रायपुर की रोवर रू रेंजर टीम के लिए यह अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता का अवसर है। महाविद्यालय की सक्रिय सदस्य रेंजर विभूति वर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, समर्पण, अनुशासन एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'सर्वश्रेष्ठ रेंजर अवॉर्ड - 2026' से सम्मानित किया गया।

29 अक्टूबर 2026 को लोक भवन में आयोजित राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण एवं अलंकरण सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका जी के द्वारा विभूति वर्मा को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मान के साथ उन्हें नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान दी गई। यह उपलब्धि उनके निरंतर प्रयासों, कर्तव्यनिष्ठा और रोवर - रेंजर गतिविधियों के प्रति समर्पण को दर्शाती है। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के रोवर लीडर डॉ. डिग्री लाल पटेल भी उनके साथ उपस्थित रहे।

दुर्ग-बरौनी-दुर्ग के मध्य दीपावली एवं छठ पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

■ यात्रियों को दीपावली और छठ पूजा त्यौहार के दौरान मिलेगी कंफर्म बर्थ के साथ आरामदायक यात्रा सुविधा।



रायपुर (विश्व परिवार)। दीपावली और छठ पूजा त्यौहार के दौरान यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-बरौनी-दुर्ग के मध्य 03-03 फेरों के लिए दीपावली और छठ पूजा फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 08755 दुर्ग-बरौनी पूजा स्पेशल ट्रेन दुर्ग से प्रत्येक बुधवार दिनाँक 04, 11 एवं 18 नवम्बर 2026 को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08756 बरौनी-दुर्ग पूजा स्पेशल ट्रेन बरौनी से प्रत्येक गुरुवार दिनाँक 05, 12 एवं 19 नवम्बर 2026 को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा एवं रायगढ़ स्टेशनों में दिया गया है।

गाडी की समय सारिणी

गाड़ी संख्या 08755 दुर्ग-बरौनी पूजा स्पेशल ट्रेन दुर्ग से प्रत्येक बुधवार दिनाँक 04, 11 एवं 18 नवम्बर 2026 को 10.30 बजे रवाना होगी तथा रायपुर आगमन 11.15 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, भाटापारा आगमन 12.12 बजे, प्रस्थान 12.14 बजे, बिलासपुर आगमन 13.15 बजे, प्रस्थान 13.25 बजे, चांपा आगमन 14.14 बजे, प्रस्थान 14.16 बजे, रायगढ़ आगमन 15.08 बजे मार्ग के ठहराव वाले अन्य स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन 11.00 बजे बरौनी स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08756 बरौनी-दुर्ग पूजा स्पेशल ट्रेन बरौनी से प्रत्येक गुरुवार दिनाँक 05, 12 एवं 19 नवम्बर 2026 को 14.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाले रायगढ़ स्टेशन आगमन 12.25 बजे, प्रस्थान 12.27 बजे, चांपा स्टेशन आगमन 13.35 बजे, प्रस्थान 13.37 बजे, बिलासपुर स्टेशन आगमन 15.55 बजे, प्रस्थान 16.05 बजे, भाटापारा स्टेशन आगमन 19.10 बजे, प्रस्थान 19.12 बजे, रायपुर स्टेशन आगमन 21.05 बजे, प्रस्थान 21.10 बजे तथा 23.05 बजे दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी।

सिद्धबाबा गेट रेलवे समपार क्रमांक 385 अस्थायी रूप से बंद रहेगा



रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भाटापारा - हथबंद रेलवे स्टेशनों के मध्य स्थित रेलवे सिद्धबाबा समपार फाटक क्रमांक 385 (कि.मी. 766/13-15) अप लाइन में अतिआवश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है। उक्त समपार फाटक दिनांक 04.11.2026 (बुधवार) सुबह 09:00 बजे से दिनांक 06.11.2026 (शुक्रवार) 18:00 बजे तक सड़क यातायात का आवागमन पूर्णत: बंद रहेगा। रायपुर रेल मंडल आमजन एवं वाहन चालकों से अनुरोध करता है कि उक्त अवधि के दौरान असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

रेलवे प्रशासन को इस आवश्यक कार्य के दौरान आमजन को होने वाली असुविधा के लिए खेद है तथा सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

महतारी वंदन योजना बनी 70 लाख बहनों के आर्थिक स्वावलम्बन और सम्मान का आधार : भाजपा



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा संचालित 'महतारी वन्दन योजना' को प्रदेश की महिला सशक्तीकरण के इतिहास का मील का पत्थर बताया है। श्रीमती वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशील कार्यप्रणाली ने प्रदेश की लगभग 70 लाख माताओं-बहनों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मसम्मान और नए विश्वास का संचार किया है।

भाजपा सांसद श्रीमती वर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय महिला कल्याण की योजनाएँ केवल कागजों तक सीमित थीं, लेकिन साय-सरकार ने सत्ता सम्भालने के कुछ ही महीनों के भीतर 'महतारी वन्दन योजना' को लागू कर यह साबित कर दिया कि भाजपा जो कहती है, वह करके दिखाती है। आज हमारी माताएँ-बहनें अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई, पोषण और पारिवारिक आकस्मिक खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं हैं। यह योजना केवल 1,000 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की नारी शक्ति के स्वाभिमान की स्थायी व्यवस्था है।

श्रीमती वर्मा ने योजना के मुख्य तथ्यों एवं उपलब्धियों की चर्चा करते हुए बताया कि योजना के अन्तर्गत प्रदेश की पात्र विवाहित, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 (वार्षिक 12,000) रुपये सीधे उनके आधार-लिंक्ड बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए अंतरित किए जा रहे हैं। राज्य की 70 लाख से अधिक पात्र महिलाएँ नियमित रूप से इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं। डीबीटी व्यवस्था के कारण बिचौलियों की कोई गुंजाइश नहीं रही, जिससे शत-प्रतिशत राशि सीधे लाभार्थी के खाते में पहुँच रही है। प्रत्येक माह की तय तारीख पर योजना की किश्त जारी की जाती है, जिससे परिवार के घरेलू बजट को स्थिरता मिली है।

शोक संदेश

श्रीमती सरला शर्मा



रायपुर। राजातालाब निवासी श्रीमती सरला शर्मा का आकस्मिक निधन 3 नवंबर को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। उनके अंतिम यात्रा में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे । वे लेखराम शर्मा की पत्नी एवं मनोज शर्मा की माता थी ।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर बीएसपी के हजारों आवासधारियों को बड़ी राहत

■ रिटेंशन और थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों के लिए अब 6 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह की समान किराया दर



रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की टाउनशिप में रहने वाले हजारों परिवारों की लंबे समय से चली आ रही आवास किराए की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल और उनकी अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद बीएसपी प्रबंधन ने रिटेंशन स्कीम तथा थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों का किराया घटाकर 6 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह कर दिया है। इस फैसले से करीब चार हजार आवासधारियों को राहत मिलने का अनुमान है। विशेष रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए यह निर्णय आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि रिटेंशन श्रेणी में किराए की दर 75 प्रतिशत कम हुई है।

इस बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भिलाई स्टील प्लांट के सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ और थर्ड पार्टी कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, विधायक श्री ललित चंद्राकर एवं श्री रिकेश सेन सहित दुर्ग-भिलाई के अनेक जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की पहल से आवास किराए की समस्या के समाधान का रास्ता हुआ प्रशस्त

बीएसपी टाउनशिप के आवासधारियों को बढ़े हुए किराए के कारण हो रही परेशानियों का विषय मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में प्रमुखता से रखा गया था। बैठक के दौरान रिटेंशन और थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों के लिए निर्धारित अलग-अलग किराया दरों तथा उनमें हुई वृद्धि से उत्पन्न परिस्थितियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354